ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 05, अंक -52 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 27 अगस्त से 02 सितम्बर (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में झील में महिला व उसके पांच बच्चों समेत छह लोगों के शव मिले

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा शहर के बाहरी इलाके में भूतनाल झील में एक महिला और उसके पांच बच्चों समेत छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई. हालांकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन मौत का मामला रहस्य बना हुआ है. मृतकों की पहचान जिले के तोरावी गांव के शांतिनगर की शोभा मल्लिकार्जुन जलगेरी (35) और उसके बच्चों विद्या (15 वर्ष), सुवर्णा (13), तिप्पाराया (12), सानिका (10) और विकास (6) के रूप में हुई है. हालांकि मौत का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन पुलिस ने कहा कि शक है कि पीड़ित किनारे से झील को देखते हुए फिसलकर झील में गिर गए होंगे. पुलिस उपाधीक्षक नागराज, आदर्श नगर थाने के उपनिरीक्षक सीताराम लमानी और अन्य पुलिसकर्मी और फायर ब्रिगेड के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को पानी से बाहर निकाला. अधिकारियों ने बताया कि मल्लिकार्जुन नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चों के लापता होने की शिकायत की थी, जिसके बाद सोमवार (24 अगस्त) को विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया.

मालदा मेडिकल कॉलेज में 10 नवजात बच्चों की मौत से हड़कंप

मालदा। कोलकाता के मालदा मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन में दस नए जन्मे बच्चों की मौत हो गई. कहा जा रहा है कि मेडिकल अधिकारियों ने शुरू में इस मामले को दबाने की कोशिश की थी. मामले की खबर फैलते ही राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पूरी रिपोर्ट मांगी, जिससे संस्थान में हंगामा मच गया. यह घटना अगस्त के दूसरे हफ्ते में हुई. 1,120 बेड वाले मालदा मेडिकल कॉलेज परिसर में मदर एंड चाइल्ड हब (मां और बच्चे) के लिए एक खास जगह है, जिसे तृणमूल सरकार के समय मातृमा नाम दिया गया था,जहां प्रसूति और नवजात की देखभाल की जाती है. यह घटना इसी बिल्डिंग में हुई. कहा जा रहा है कि, मेडिकल अधिकारियों ने शुरू में कोई खास चिंता नहीं दिखाई, और ज्यादातर स्टाफ सदस्य को इस स्थिति के बारे में पता नहीं था. स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के तहत, रोजाना जन्म और मृत्यु की रिपोर्ट एक सरकारी पोर्टल पर अपलोड की जाती है.

वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डेटा से किया खुलासा

लगातार बारिश नहीं,एवलांच बना आपदा का मुख्य कारण

नई दिल्ली/ एजेंसी

पड़ोसी देश नेपाल के रसुवा और नुवाकोट जिलों में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और रिहायशी इलाकों को तबाह कर दिया था। शुरुआत में इसे अत्यधिक मानसूनी बारिश या बादल फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन वैज्ञानिकों और रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञों की जांच में वास्तविक कारण कुछ और ही निकला। उच्च-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी के अध्ययन से पुष्टि हुई है कि 7,227 मीटर ऊंची लांगतांग लिरुंग चोटी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर भूगर्भीय हलचल और हिमस्खलन हुआ था, जिसने इस तबाही की पटकथा लिखी। सैटेलाइट विश्लेषण के अनुसार, लांगतांग लिरुंग पर्वत की खड़ी ढलानों पर मौजूद लटकते ग्लेशियर का एक विशाल हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे की संकरी घाटी में आ गिरा। ग्लेशियर के टूटने के साथ ही हजारों टन भारी बोल्डर्स, मिट्टी और चट्टानी अवसाद तीव्र गति से नीचे बहा। इस भारी मलबे ने नदी के मुख्य उद्गम और ऊपरी बहाव क्षेत्र में एक अस्थायी प्राकृतिक अवरोध यानी कच्चा बांध तैयार कर दिया, जिसके पीछे विशाल मात्रा में पानी तेजी से जमा होता चला गया। जैसे-जैसे पानी का दबाव बढ़ता गया, मलबे और बर्फ की यह कमजोर दीवार पानी के प्रचंड वेग को संभाल नहीं सकी और अचानक टूट गई। इसके टूटते ही संकरी घाटियों में पानी की कई मीटर ऊंची विशाल लहरें उठीं, जिसने भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटी

में भयानक फ्लैश फ्लड का रूप ले लिया। पानी के साथ तेज गति से बहे भारी पत्थरों और मलबे ने रास्ते में आने वाले हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स, पुलों, पक्की सड़कों और स्थानीय बाजारों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जलवायु वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण हिमालयी ग्लेशियरों का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। पहले आए भूकंपों और मौसमीय बदलावों की वजह से लांगतांग क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना काफी संवेदनशील हो चुकी है। तापमान के अचानक बढ़ने और चरम मौसमी घटनाओं के चलते ग्लेशियरों के अचानक टूटने और हिमस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जो निचले इलाकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। वैज्ञानिकों ने इस घटना के बाद जोर देकर कहा है कि हिमालयी नदी घाटियों में जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए ग्लेशियरों और संभावित एवलांच जोन की उपग्रहों के जरिए लगातार 24×7 निगरानी जरूरी है। जब तक संवेदनशील ग्लेशियर क्षेत्रों में रडार और अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं किए जाते, तब तक सीमावर्ती नदियों के किनारे स्थित ऊर्जा परियोजनाओं, जलविद्युत संयंत्रों और कस्बों पर अचानक आने वाली ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का जोखिम बना रहेगा।

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन में रायपुर की मोनिका यादव लापता

रायपुर। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार प्रदेश के सभी जिलों से नेपाल गए नागरिकों की जानकारी एकत्रित कर स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के महादेव घाट (थाना डी.डी. नगर) की निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है।

खरगे का प्रधानमंत्री को पत्र

परिसीमन मामले... पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह दोहराया

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और किसी भी प्रस्ताव को संसद में पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को उस पर विस्तार से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खरगे ने पत्र में कहा, मैं अपने पहले के अनुरोध को दोहराना चाहता हूं कि परिसीमन से संबंधित आपके मन में जो भी प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी

राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई, 2026 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सरकार के परिसीमन संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। खरगे ने कहा कि वह अब इस अनुरोध को दोहरा रहे हैं क्योंकि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पिछली रात एक टेलीविजन साक्षात्कार में सार्वजनिक रूप से कहा है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा, शायद यही कारण है कि मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस का इस मामले पर रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने परिसीमन को लेकर तीन मांगें रखते हुए कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक बरकरार रखी जाए।

तेलंगाना में इलेक्ट्रिक बस और ट्रक की टक्कर, छह लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में सुबह एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच महिलाएं शामिल हैं। हादसा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोडाड मंडल क्षेत्र में सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक बस पीछे से ट्रक में जा घुसी। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, ट्रक में लोहे के भारी खंभे लदे हुए थे। बस के पीछे से ट्रक में टकराते ही लोहे के खंभों को बांधकर रखने वाली जंजीर टूट गई। इसके बाद कई खंभे बस की दाईं ओर जा घुसे।

विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं पीएम मोदी

मोदी कैबिनेट विस्तार के लिए करना होगा अभी और इंतजार

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के द्वारा अपनी टीम का ऐलान करने के बाद अब सबकी निगाहें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अपनी कैबिनेट के विस्तार को हरी झंडी देने पर टिकी हुई हैं। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले भी इसको लेकर खूब अटकलें लगीं, लेकिन इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया। अब एकबार फिर ऐसी अटकलबाजियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि इस सबके बीच प्रधानमंत्री मोदी दो देशों की विदेश यात्रा पर रवाना

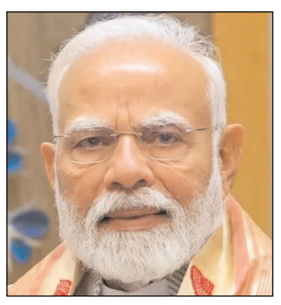

होने वाले हैं। इसकी वजह से फिर एकबार कैबिनेट विस्तार कुछ दिनों के लिए टलता दिख रहा है। आपको बता दें कि पीएम मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के 26वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें एससीओ में शामिल देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा पर रवाना होंगे। यूरेशिया क्षेत्र में भारत की प्राथमिकताओं को रेखांकित करने के लिहाज से इन दोनों मध्य एशियाई देशों का यह दौरा कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस शिखर सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहेंगे। आपको बता दें कि भारत के लिए एससीओ एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है।

कानपुर में विमान दुर्घटना

प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत.....

कानपुर। कानपुर में बृहस्पतिवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उस पर सवार एक प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने 'पीटीआई—भाषा' को बताया कि गंगा के किनारे नाथपुरवा गांव के पास इटली में बने 'टेक्नम' प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उस पर सवार गुजरात के निवासी प्रशिक्षक सचिन भाटिया और कर्नाटक के प्रशिक्षु पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गयी। लाल ने बताया कि 'गर्ग एविएशन' द्वारा संचालित इस विमान ने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी और लगभग 20 मिनट के बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उन्होंने बताया कि भाटिया को करीब तीन हजार घंटे उड़ान भरने का अनुभव था। लाल ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर जांच के लिए सुबूत सुरक्षित रखने के मकसद से मलबे को कब्जे में ले लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नागर उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए)

इस कठिन समय में भारत नेपाल के साथ पूरी तरह से खड़ा है मुख्यमंत्री रेखा

नयी दिल्ली: नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत इस कठिन समय में पड़ोसी देश के साथ खड़ा है। गुप्ता ने कहा कि नेपाल में एक दर्दनाक त्रासदी हुई है और उसे हर संभव मदद दी जाएगी। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, इस कठिन समय में भारत नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है। देश में एक दर्दनाक त्रासदी हुई है, नेपाल को हर संभव मदद दी जाएगी। मैं नेपाल के सभी निवासियों की सुरक्षा और राहत के लिए प्रार्थना करती हूं। उन्होंने कहा, मैं भगवान पशुपतिनाथ से भी प्रार्थना करती हूं कि नेपाल को दुख की इस घड़ी से उबरने की शक्ति दें ।

रेल सुरंग में ट्रैक पर टहलता दिखा तेंदुआ

कर्मचारियों में दहशत का माहौल लोको पायलट ने बनाया वीडियो

गौरेला पेण्ड्रा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत खोंगसरा-भनवारटंक रेलखंड की एक सुरंग में तेंदुए की मौजूदगी से दहशत फैल गई। सुरंग के भीतर रेलवे ट्रैक पर आराम से टहलते तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जानकारी के मुताबिक, सुरंग के भीतर घूम रहे तेंदुए पर सबसे पहले एक रेलवे ड्राइवर की नजर पड़ी। इसके बाद सूचना मिलने पर वहां से गुजर रही ट्रेन के लोको पायलट ने अपने मोबाइल

से तेंदुए का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में तेंदुआ रेलवे ट्रैक के ठीक बीचो बीच चलता हुआ साफदिखाई दे रहा है। सुरंग में तेंदुए की एंट्री के बाद से ट्रैक मेंटेनेंस और गश्त में तैनात रेलवे कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि घने जंगलों और पहाड़ी ढलानों से घिरे इस कठिन भूगोल में उन्हें पैदल गश्त और मरम्मत का काम करना पड़ता है। ऐसे में हिंसक वन्यजीवों की मौजूदगी उनकी जान के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। विभाग की ओर से रेलवे कर्मचारियों और वन्यजीवों दोनों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। ?रेलवे और वन विभाग के समन्वय से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग उठ रही है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू की दस्तक

दुर्ग-बिलासपुर में 13 मरीज मिले अस्पताल अलर्ट पर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बिलासपुर जिलों मेंस्वाइन फ्लू के 13 मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों जिलों के अस्पतालों को अलर्ट पर रख दिया है। दुर्ग जिले में स्वाइन फ्लू के कुल छह मरीज मिले हैं। राहत की बात यह है कि इनमें से चार मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वर्तमान में दो संक्रमितों का उपचार चल रहा है, जिनमें से एक का इलाज एम्स रायपुर और दूसरे का सेक्टर-9 अस्पताल में जारी है। जिला अस्पताल में संदिग्ध रोगियों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। बिलासपुर जिले में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के सात मरीज सामने आए हैं। इनमें से पांच मरीज ठीक होने के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं। फिलहाल दो मरीजों का इलाज शहर के अपोलो अस्पताल में चल रहा है। भर्ती संक्रमितों में एक 75 वर्षीय महिला भी शामिल हैं। उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया है। एक अन्य 30 वर्षीय मरीज की रायपुर यात्रा का विवरण मिला है। इन दिनों अस्पतालों में सर्दी, खांसी और तेज बुखार के लक्षणों वाले मरीज लगातार पहुंच रहे हैं। स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरे को

देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने संदिग्धों की त्वरित जांच और निगरानी के निर्देश दिए हैं। विभाग ने आम जनता को सावधानी बरतने और लक्षण दिखते ही चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी है। विशेषकर उन लोगों को अधिक सतर्क रहने को कहा गया है जो संक्रमण से प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा कर चुके हैं या किसी मरीज के संपर्क में आए हैं। जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के संभावित मरीजों को अलग रखने और उपचार की व्यवस्था के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से सावधानी बरतने और लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की अपील की गई है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भी स्वाइन फ्लू के 7 मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इनमें से 2 मरीजों का इलाज शहर के अपोलो हॉस्पिटल में जारी है, जबकि 5 मरीज स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं।अस्पताल में भर्ती मरीजों में एक 75 वर्षीय महिला भी शामिल हैं।

खैरागढ़ जिले में स्वाइन फ्लू की दस्तक, 4 वर्षीय बालक एच1एन1 पॉजिटिव

खैरागढ़। खैरागढ़ जिले के छुईखदान क्षेत्र में स्वाइन फ्लू एच1एन1 का मामला सामने आने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। नगर के वार्ड नंबर 9 स्थित कन्डरापारा निवासी 4 वर्षीय बालक कन्हैया चंद्राकर की एच1एन1 जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बालक का फिलहाल राजनांदगांव के संजीवनी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की संभावित रोकथाम के लिए क्षेत्र में सर्वे, जांच और जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, कन्डरापारा निवासी उद्धव चंद्राकर के 4 वर्षीय पुत्र कन्हैया की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे राजनांदगांव के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने आवश्यक जांच कराई, जिसमें बालक के एच1एन1 संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

पहले दिखाओ पेपर,तब आने देंगे अंदर...

अभिषेक और कोलकाता पुलिस में तीखी भिड़ंत ?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी और कोलकाता पुलिस के बीच आज (गुरुवार, 27 अगस्त को) उस वक्त तीखी भिड़ंत हो गई, जब पुलिस और कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों की एक टीम उनके कैमैक स्ट्रीट स्थित दफ्तर से टीएमसी के बिलबोर्ड (होर्डिंग्स) हटाने के लिए वहां पहुंची थी। बनर्जी ने इस कदम पर आपत्ति जताई और अधिकारियों से उस आदेश की कॉपी और उस शिकायत पत्र को दिखाने को कहा जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही थी। इसी मुद्दे

पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। इससे वहां हंगामे की स्थिति बन गई। टीएमसी सांसद ने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस के अधिकारी गैर-कानूनी तरीके से उनके कार्यालय परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, सांसद के विरोध करने के बाद पुलिस औरकेएमसी अधिकारी वहां से चले गए।

कानीडबरी में साहू समाज भवन शेड निर्माण का हुआ भूमिपूजन

रंजना साहू की पहल पर भाजपा नेता कुंजलाल देवांगन ने रखी आधारशिला

धमतरी। ग्राम कानीडबरी में हरदिहा साहू समाज भवन कानीडबरी में शेड निर्माण कार्य, बेतल घर से जागेशर घर की ओर नली निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत अमेठी में अटल डिजिटल सेवा केंद्र का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। रंजना साहू की पहल से स्वीकृत शेड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं भाजपा नेता कुंजलाल देवांगन के करकमलों से विधिवत पूजा.अर्चना के साथ संपन्न कराया। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने समाज भवन में शेड निर्माण को सामाजिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए रंजना साहू का आभार व्यक्त किए। शेड निर्माण से सामाजिक बैठकों, सामुदायिक आयोजनों, विवाह एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में समाज के लोगों को सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि समाज के विकास के लिए सामाजिक भवनों का सुदृढ़ होना आवश्यक है, साहू समाज ने हमेशा सामाजिक एकता, सेवा और संगठन की

जनकल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्राम कानीडबरी में साहू समाज भवन में शेड निर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, समाज की मांग और आवश्यकता को देखते हुए इस कार्य को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल सड़क, नाली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी अधोसंरचना का निर्माण भी क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि समाज की एकता और सहयोग से ही गांव एवं क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। भाजपा नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष कुंजलाल देवांगन ने कहा कि साहू समाज हमेशा से सामाजिक समरसता, सेवा और संगठन की भावना के लिए जाना जाता है, समाज भवन में शेड निर्माण होने से यहां आयोजित होने वाले विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में लोगों को सुविधा मिलेगीए जनप्रतिनिधियों और समाज के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने इस कार्य के लिए रंजना साहू की पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाना जनप्रतिनिधित्व की सार्थकता है। महिला मोर्चा जिला महामंत्री प्रियंका सिन्हा ने कहा कि साहू समाज भवन में शेड निर्माण होने से सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रंजना साहू की पहल से क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है, जो जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए रंजना साहू एवं समाज के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सत्यप्रभा साहू जनपद सदस्य, पंकज साहू जिला मंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा, राजीव सिन्हा पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा, किशोर साहू जिला अध्यक्ष हरदिहा साहू समाज युवा प्रकोष्ट धमतरी, आनंद राम साहू, श्याम लाल साहू, बंसीलाल साहू, वेद प्रकाश, दिलीप साहू, अक्तू राम साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी, सामाजिक बंधु एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरायपाली-सरसीवां मार्ग बदहाल सड़क पर बह रहा पानी

भंवरपुर। सरायपाली-सरसीवां मार्ग की बदहाली इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सागरपाली एवं बालसी नाला के पास सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि बारिश का पानी सड़क पर बहने के साथ-साथ कई जगह सड़क ही नाली में तब्दील हो गई है। सड़क किनारे बना रहे भवन मालिकों द्वारा पुराने नालियों को पाट दिये जाने से जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हो पा रही जिसके चलते सड़क पर लगातार बरसात का पानी जमा और बहता रहता है। लोगों का कहना है कि सड़क पर बहते पानी को रोकने और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए जिम्मेदार विभाग आखिर कब जागेगा। सड़क की हालत लगातार बिगड़ने के बावजूद अब तक स्थायी

समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है तथा ख़राब सड़क की वजह से सरकार की छबि ख़राब हो रही है। सड़क की बदहाली को लेकर लोगों में यह भी सवाल उठने लगा है कि क्या विभाग की तंद्रा तभी टूटेगी, जब किसी वीआईपी का वाहन इस मार्ग पर फंसेगा? आम लोगों की परेशानी पर यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।इस मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण भी सड़क को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। बारिश के दौरान पानी से कमजोर हुई सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही से गड्ढे और उभर रहे हैं तथा सड़क की सतह तेजी से खराब हो रही है। वहीं, सड़क की खराब हालत के लिए केवल सरकार या संबंधित विभाग को जिम्मेदार ठहराना भी पर्याप्त नहीं है। नियमों की अनदेखी कर ओवरलोड अथवा भारी वाहनों का संचालन करने वाले लोगों की भूमिका भी कम नहीं है। लोगों का कहना है कि सड़क को बचाने के लिए प्रशासन को जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने, सड़क की मरम्मत कराने और भारी वाहनों के आवागमन पर प्रभावी निगरानी रखने की जरूरत है। वहीं वाहन चालकों और आम जनता को भी सड़क की क्षमता और यातायात नियमों का पालन करना होगा। अब देखना यह है कि सरसीवां-सरायपाली मार्ग की बदहाली दूर करने के लिए विभाग कब ठेस कदम उठाता है, या फिर लोगों को इसी बदहाल सड़क से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर रणबीर शर्मा के समक्ष अपनी मांग, शिकायत एवं समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार तथा समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 33 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में गरियाबंद के रावनभाटा निवासी राजू यादव ने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए कलेक्टर शर्मा को आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को उनके लिए जाति

प्रमाण पत्र बनाने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्राम मौंहाभाटा के ग्रामीणों ने घास भूमि को आबादी भूमि घोषित करने, ग्राम तुहामेटा के बिसनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना का तीसरा किश्त की राशि दिलाने, ग्राम गोनबोरा के भगवान सिंह, फूलझर के अमरसिंग, अंतुराम भुंजिया और नन्द कुमार ने एग्रीस्टेक पंजीयन कराने के लिए आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित कृषि विभाग के उप संचालक को अपने समक्ष बुलाकर किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने आवेदकों से उनकी समस्याओं के संबंध में अधिकारियों को पात्रता के आधार पर हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने एवं आपसी समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पवन खेड़ा का मानसिक संतुलन बिगड़ा, अमित शाह पर अनर्गल बयानबाजी बंद करे कांग्रेस : रंजना साहू

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा देश के गृहमंत्री अमित शाह पर दिए गए अमर्यादित बयान पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कड़ा पलटवार किया है। साहू ने कहा कि पवन खेड़ा का बयान कांग्रेस की बौखलाहट और हताशा को दर्शाता है। जिस पवन खेड़ा को सोनिया गांधी तक नहीं जानती, उसकी क्या हैसियत जो देश के गृहमंत्री पर टिप्पणी करे। जिस प्रकार से कांग्रेस घुसपैठियों का समर्थन कर रही है और देश की सुरक्षा

पर सवाल उठा रही है, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने 11 साल में देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है, नक्सलवाद और आतंकवाद पर नकेल कसी है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति की है। पवन खेड़ा को पहले अपनी पार्टी के 70 साल के काले कारनामों का हिसाब देना चाहिए। साहू ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हिंदू-मुस्लिम का राग अलापना और मुस्लिम घुसपैठ जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति करना, कांग्रेस के वोट बैंक की गंदी मानसिकता को उजागर करता है। देश की जनता कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को समझ चुकी है। उन्होंने मांग की कि पवन खेड़ा अपने बयान के लिए देश के गृहमंत्री और देश की जनता से माफी मांगें।

नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर की अध्यक्षता में हुई सामान्य सभा की बैठक

कुरूद। नगरपालिका का आठवाँ सामान्य सभा परिषद बैठक अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ, नगरवासियों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सुशासन लाने के दिशा मे एवं नगर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने शासन के नियमानुसार हर दो माह में परिषद बैठक वर्तमान परिषद के द्वारा किया जा रहा है। अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने 11 बिंदुओं मे एजेंडा तैयार किये थे जिसमे मुख्य रूप से नगर विकास कार्यों मे बिजली कार्य के लिए 1 करोड़ 25 लाख और नये बाजार कुरूद में 2 करोड़ के लागत से उन्नययीकरण कार्य एवं सौंदर्यीकरण कार्य इस प्रकार नगर विकास के कार्यों के

लिए 3 करोड़ 25 लाख निविदाओं का अनुमोदन सर्व सम्मति से परिषद ने निर्णय लिये है। परिषद बैठक में अध्यक्ष के द्वारा लाये गये प्रस्ताव नगर में मूलभूत सुविधाओं के छोटे छोटे कार्यों को प्राथमिकता से निवारण करने हेतु एवं आवश्यक जरूरी कार्यों को शासन के विभिन्न निधियों से कराने के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा जा रहा है। इसी प्रकार नगर को सुंदर बनाने के दिशा में नये बाजार को विकसित करने के लिए कबाड़ के रूप अतिक्रमित रोड जाम के स्थिति को देखते हुए आम नागरिकों के माँग पर परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से नगर सीमा से बाहर सभी कबाड़ियों को व्यवसाय संचालित करने के लिए जगह चिन्हांकित किया जायेगा, विपक्षी पार्षदों के मांग पर अध्यक्ष द्वारा नगर विकास कार्यों के लिए भूमि मांग के शासकीय प्रकिया को जाचं कराने के लिए तीन ऐजेन्डा में सहमति नहीं बन पाई और शासकीय प्रकिया में सत्ता पक्ष के पार्षद एवं अध्यक्ष ने सहमति दिये है, उसी प्रकार विपक्षी पार्षदों ने असहमति दर्ज कराते हुए प्रक्रियाओं में जाँच कराने के लिए माँग किये है। परिषद बैठक राष्ट्रगान से शुभारंभ पश्चात चर्चा परिचर्चा में मूलभूत कार्यों एवं बिजली कार्यों को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए दो टीम का गठन किया गया, परिषद समापन के बाद नगरपालिका के पार्षद रवि मानिकपुरी के धर्म पत्नी स्वर्गीय कुलेश्वरी मानिकपुरी एवं सीएमओ गुप्ता के भाई स्वर्गीय विकेश गुप्ता को नगरपालिका परिषद कुरूद द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया, आठवें परिषद के कार्यवाही के लिए नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर, उपाध्यक्ष देवव्रत साहु, नेता प्रतिपक्ष डूमेश साहु, सभापतिगण मिथलेश बैस, सितेश सिन्हा, महेन्द्र गायकवाड़, राजकुमारी ध्रुव, पार्षदगण उत्तम साहु, रजत चन्द्राकर, उर्वशी रजत चन्द्राकर, रवि मानिकपुरी, कविता चन्द्राकर, अर्जुन ध्रुव, राखी यमुना चन्द्राकर, मनीष साहु, मंजू प्रमोद साहु, एल्डरमेनगण भानु चन्द्राकर, खिलावन यादव, नन्दु चन्द्राकर, खिलेश्वर देवांगन, महावीर साहु सभी सम्मानिय पार्षदों का गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया, नगरपालिका के इंजीनियर सहित सभी विभागों के कर्मचारीगण एवं प्रभारी सम्मिलित हुए।

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

सरायपाली। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले तीन-चार दिनों से लगातार चेकिंग अभियान चलाया.जा रहा है छत्तीसगढ़ परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश के निर्देशानुसार एवं अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के आदेशानुसार खम्हारपाली परिवहन चेकपोस्ट प्रभारी नरेंद्र साहू के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार दूसरे दिन भी विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन चेकपोस्ट के आसपास स्थित ढाबों एवं मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों की जांच की गई। जांच में यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 14 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 36,000 समन शुल्क लिया गया।टीम द्वारा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा करने से होने वाले संभावित हादसों एवं यातायात बाधित होने की स्थिति के संबंध में समझाइश दी गई। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और वाहनों को निर्धारित एवं सुरक्षित स्थानों पर ही खड़ा करें। परिवहन विभाग ने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसे विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा में सहयोग करें। लगातार दो दिनों की कार्रवाई में कुल 22 वाहनों पर कार्रवाई कर 56,000 समन शुल्क लिया गया।

अभियान का उद्देश्य केवल चालान नहीं दुर्घटनाओं को रोकना है : नरेन्द्र साहू

प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र साहू चेक पोस्ट खम्हापाली ने कहा कि सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सड़क किनारे असुरक्षित रूप से खड़े वाहन, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, नशे में वाहन चलाना तथा वाहन की बॉडी से बाहर निकली सरिया या अन्य सामग्री सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर वजह बन सकती है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि ऐसे जोखिमपूर्ण व्यवहार को रोककर सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम करना है। साथ ही गंभीर एवं जानलेवा उल्लंघनों के विरुद्ध प्रभावी और निरंतर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों से भी अपील की कि सड़क सुरक्षा को केवल कानून पालन के रूप में न देखें, बल्कि स्वयं तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की सुरक्षा से जुड़ी सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं।

आकांक्षा हाट में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने लगाई राखियों की दुकान

गरियाबंद। कलेक्ट्रेट परिसर में एवं जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में गायत्री स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आकांक्षा हाट का आयोजन कर हस्तनिर्मित राखियों का विक्रय किया जा रहा है। कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आकांक्षा हाट का अवलोकन कर स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां खरीदीं और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समूह की सदस्य भोजेश्वरी ध्रुव एवं गुंजा ध्रुव ने बताया कि वे खेती-किसानी के कार्यों के साथ प्रतिदिन 2 से 3 घंटे अतिरिक्त समय निकालकर हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण कर रही हैं। इस सीजन में उन्होंने करीब 1 हजार राखियां तैयार की हैं। जिनके विक्रय से अब तक 8 हजार रुपये से अधिक की बिक्री हुई हैं। राखियों की बिक्री अभी भी जारी है, जिससे आय में और वृद्धि होगी। दीदियों ने बताया कि राखी निर्माण के साथ-साथ वे सिलाई-कढ़ाई का कार्य भी कर रही हैं। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते

हुए कहा कि स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने से उनकी आय बढ़ने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने समूह की महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसडीएम हितेश्वरी बाघे, जनपद पंचायत सीईओ नम्रता शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यादवी संघर्ष की कांग्रेस से तुलना पर समाज नाराज

सरायपाली। कुरूद विधायक अजय चंद्राकर के एक बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि चंद्राकर के बयान से यादव समाज में नाराजगी है और समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने विज्ञप्ति में मांग की है कि विधायक अजय चंद्राकर अपने बयान पर स्पष्टीकरण दें और यादव समाज से माफी मांगे। उन्होंने आगे कहा कि यादव समाज बहुत ही स्वाभिमानी है तथा राष्ट्रहित, जनहित परोपकार में समाज का विशेष योगदान रहा है। यादव ने कहा, अजय चंद्राकर द्वारा यादव समाज के संबंध में ऐसा आपत्तिजनक वक्तव्य देने से सामाजिक सौहार्द, संस्कृति, स्वाभिमान आहत हुआ है। यादव ने कहा कि भगवान कृष्ण और महाभारत से जुड़े प्रसंग यादव समाज की आस्था एवं गौरव से जुड़े हैं। ऐसे प्रसंग को राजनीतिक टिप्पणी के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाना उचित नहीं है। यादव ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले जनप्रतिनिधियों से भाषा, व्यवहार और बयानों में मर्यादा की अपेक्षा की जाती है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी को सामान्य राजनीतिक बयान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

ग्राम पंचायत किसड़ी के सरपंच के विरुद्ध कार्यवाही करने एसडीएम ने जारी किया नोटिस

सरायपाली। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत किसडी के सरपंच नीलमणि रात्रे के खिलाफ अनेकों शिकायतों को देखते हुवे जिला पंचायत सीईओ द्वारा सरायपाली अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखकर धारा 40 व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की अनुशंसा की गई थी। इस पत्र के परिपेक्ष्य में उक्त सरपंच को एसडीएम कार्यालय से नोटिस जारी किए जाने की जानकारी दी गई है। ज्ञात हो कि उक्त सरपंच नीलमणि रात्रे के खिलाफ किसड़ी के अनेक शिकायतकर्ताओं द्वारा जिला पंचायत के सीईओ को 8 विभिन्न बिंदुओं पर सप्रमाण शिकायत की गई थी। जिस पर जांच उपरांत शिकायतें सही पाई गई। जिसके आधार पर सीईओ द्वारा

एक पत्र सरायपाली एसडीएम को धारा 40 के तहत कार्यवाही किए जाने बाबत अनुशंसा की गई है। एसडीएम को भेजे गए पत्र में सीईओ ने लिखा है कि ग्राम पंचायत किसड़ी जनपद पंचायत सरायपाली के सरपंच नीलमणी रात्रे के विरूद्ध फर्जी पंचायत प्रस्ताव प्रतिलिपि बनाकर शासकीय घास भूमि का अवैध आबंटन करनें तथा उक्त फर्जी बैठक की नकल फर्म पर शिकायतकर्ता पंचगण को धोखा देकर हस्ताक्षर कराने तथा पंचायत सचिव पर हस्ताक्षर करनें हेतु दबाव डालने, पुराने सबमर्सिबल मोटर पंप को बोरवेल्स में लगाकर नया सबमर्सिबल मोटर पंप का बिल लगाकर भुगतान करनें हेतु दबाव बनाने, 02 नग कुलर 18000.00, 02 नग सीलिंग फैन 5000.00, प्रिंटर 15000.00, चेयर कुर्सी 01 नग 6000.00 का फर्जी बिल पंचायत में पेश कर भुगतान करनें हेतु दबाव बनाने तथा बिना पंचायत प्रस्ताव पारित किये ग्राम पंचायत भवन किसड़ी मे लगे शटर दरवाजा को हटाकर ईट से रास्ता बंद कर देने, बिना पंचायत प्रस्ताव पारित किये स्व सहायता समूह भवन को अपने भाई को किराये में देकर राशि हड़पने तथा वर्ष 2024-25 के बाजार ठेका की संपूर्ण राशि को हड़पने के संबंध में शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत की जांच कार्यालयीन आदेश क्रमांक पंचा. शिका./2026/1064 दिनांक 14.05.2026 के माध्यम से कराया गया। जांच अधिकारियों के द्वारा जांच की प्रक्रिया पूर्ण कर 16.06.2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अभिमत क्रमांक 1, 2, 3, 5 एवं 6 में सरपंच के विरूद्ध पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 40 एवं अन्य धारा के तहत कार्यवाही करनें हेतु अभिमत प्रदाय किया गया है। जांच प्रतिवेदन संलग्न है। ग्राम पंचायत किसड़ी जनपद पंचायत सरायपाली के सरपंच नीलमणी रात्रे के विरूद्ध पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 40 एवं अन्य धारा के तहत नियमानुसार कार्यवाही हेतु प्रकरण दर्ज किया गया है। ज्ञातव्य हो कि सरपंच द्वारा ग्राम पंचायतों की बैठकों से भी गायब हो जाता है बैठक आहूत किए जाने के बाद नहीं आता। इसकी शिकायत सचिव व पंचो द्वारा लिखित में सीईओ एवं एसडीएम को दी गई थी। दस्तावेजों के अनुसार आर्यन कंप्यूटर सरायपाली से 5/4/2025 को कंप्यूटर सेट जिसमें कोई विवरण नहीं है प्रिंटर का 15000/अतः सीसीटीवी सेट 1 पीस 10000/- रुपए का फर्जी बिल संलग्न किया गया है।

बीएसपी में वर्षों से जारी लोहा चोरी के पीछे संगठित गिरोह का आरोप, विधायक रिकेश सेन ने डीजीपी को लिखा पत्र

100 से अधिक संदिग्ध वाहनों को रातों-रात काटे जाने का दावा, आरटीओ रिकॉर्ड से ट्रांसपोर्टरों तक पहुंचने की मांग

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र में कथित तौर पर वर्षों से चल रहे लोहा चोरी के मामले को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अब पुलिस की भूमिका और जांच के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विधायक ने छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम को पत्र भेजकर बीएसपी की राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले कथित संगठित गिरोह की गहन जांच और उसके मुख्य सूत्रधारों तक पहुंचने की मांग की है।

विधायक ने पत्र में दावा किया है कि बीते करीब 40 वर्षों में बीएसपी से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के लोहे की चोरी हुई है। हालांकि इस राशि और चोरी की अवधि से संबंधित दावों की स्वतंत्र जांच एवं आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिन वाहनों के माध्यम से चोरी किए जाने की बात सामने आती रही है, उनमें से 100 से अधिक वाहनों को कथित तौर पर रातों-रात काट दिया गया। विधायक ने इसे जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए आरटीओ से ऐसे वाहनों का रिकॉर्ड निकलवाकर उनके मालिकों और संबंधित ट्रांसपोर्टरों तक पहुंचने की मांग की है।

गाड़ियों को ब्लैकलिस्ट करने के बजाय एफआईआर क्यों नहीं- रिकेश सेन ने बीएसपी प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी ट्रांसपोर्टर या वाहन को प्लांट से चोरी के दौरान पकड़ा जाता था तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के बजाय वाहनों को ब्लैकलिस्ट किए जाने की प्रक्रिया क्यों अपनाई गई, इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच और दोष पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

स्क्रैप टेंडर और प्लांट से बाहर जाने वाले माल के वजन पर सवाल- विधायक ने बीएसपी के स्क्रैप टेंडर और प्लांट से बाहर निकलने वाले माल की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। पत्र में उन्होंने पूछा है कि स्क्रैप और अन्य सामग्री के प्लांट से बाहर जाने के दौरान वजन, रिकॉर्डिंग और सुरक्षा जांच की व्यवस्था कितनी प्रभावी थी तथा सीआईएसएफ और संबंधित अधिकारियों की निगरानी में कहीं

कोई चूक तो नहीं हुई, इसकी जांच क्यों नहीं की जाती।

ट्रांसपोर्ट यूनियन की वसूली और आर्थिक नेटवर्क की जांच की मांग- पत्र में ट्रांसपोर्ट यूनियन की कथित वसूली और उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन की जांच की मांग भी की गई है। विधायक ने आरोप लगाया है कि यूनियन के माध्यम से बड़ी रकम की वसूली और उसके संभावित बंटवारे की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस पूरे आर्थिक नेटवर्क को लोहा चोरी के मामले से जोड़कर देखने की मांग की है।

एक मामले की कार्रवाई को पूरे लोहा चोरी प्रकरण से न जोड़ा जाए- रिकेश सेन ने हाल में पुलिस द्वारा भाजपा के एक मंडल पदाधिकारी की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफहुई कार्रवाई को पूरे बीएसपी लोहा चोरी प्रकरण से जोड़कर राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उनका सवाल है कि यदि दशकों से इतने बड़े पैमाने पर चोरी का आरोप है तो इसकी जांच केवल छोटे स्तर के आरोपियों तक सीमित क्यों रहे। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच में राजनीतिक दबाव अथवा पूर्वाग्रह से मुक्त होकर कार्रवाई करने तथा जांच की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करने की मांग की है।

समाजसेवा के पीछे धन का स्रोत भी जांचे पुलिस- विधायक ने पत्र में ऐसे ट्रांसपोर्टरों की आर्थिक गतिविधियों की जांच की मांग की है, जिन पर लंबे समय से बीएसपी से चोरी के आरोप लगाए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के स्रोत संदिग्ध हैं तथा वह बड़े पैमाने पर सामाजिक गतिविधियों में धन खर्च कर रहा है तो पुलिस और संबंधित जांच एजेंसियों को धन के स्रोत और संपत्ति के वास्तविक स्वरूप की जांच करनी चाहिए।

रसमड़ा की फैक्ट्री तक पहुंचने की मांग- पत्र में विधायक ने रसमड़ा क्षेत्र की एक फैक्ट्री का भी उल्लेख किया है। उनका आरोप है कि बीएसपी से चोरी किया गया लोहा वहां पहुंचता था। उन्होंने पुलिस से इस दावे की निष्पक्ष जांच करने तथा यदि चोरी के माल की खरीद-बिक्री या भंडारण के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दुर्ग पुलिस की कार्रवाई अलग, असली नेटवर्क तक पहुंचना जरूरी- विधायक ने स्पष्ट किया कि दुर्ग पुलिस द्वारा अब तक लोहा चोरी के मामले में की गई गिरफ्तारियां और जांच अपनी जगह है, लेकिन उनके अनुसार मामले के पीछे मौजूद कथित बड़े नेटवर्क और मुख्य सूत्रधारों तक पहुंचना अभी बाकी है। उन्होंने डीजीपी से पूरे मामले को व्यापक स्तर पर देखने और आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच कराने की मांग दोहराई है।

डीजीपी से सीधे हस्तक्षेप की अपील- अपने पत्र के अंतिम हिस्से में विधायक रिकेश सेन ने डीजीपी अरुण देव गौतम की कार्यशैली और ईमानदार छवि का उल्लेख करते हुए उनसे इस मामले में व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बीएसपी की संपत्ति केवल किसी एक संस्थान की नहीं बल्कि देश की राष्ट्रीय संपत्ति है और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

विधायक की मांग है कि बीएसपी लोहा चोरी प्रकरण की जांच को केवल पकड़े गए आरोपियों तक सीमित न रखते हुए वाहनों, ट्रांसपोर्टरों, स्क्रैप कारोबार, खरीददारों, संबंधित अधिकारियों और कथित आर्थिक नेटवर्क की कड़ियों को जोड़कर किया जाए, ताकि यदि कोई संगठित गिरोह सक्रिय है तो उसके पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सके।

सावन महोत्सव व तीज मिलन समारोह में महिलाओं ने बिखेरा उत्साह

दुर्ग। महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ दुर्ग शहर द्वारा रविवार को साहू सदन, केलाबाड़ी में सावन महोत्सव एवं तीज मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा की आरती एवं पूजन से हुई। इसके बाद पगड़ी एवं मटरो सिटी का सुहाना सफर सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ छत्तीसगढ़ की जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी, व्यंजन प्रतियोगिता और डांस प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। महिलाओं ने तीज मिलन के अवसर पर पारंपरिक परिधान में सहभागिता कर सावन की खुशियों को साझा किया।

समारोह में मंजू साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

आयोजकों ने बताया कि सावन महोत्सव एवं तीज मिलन का उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी मेल-जोल, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना है। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही और पूरा आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ दुर्ग शहर की अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों, समाजजनों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया

शिवनाथ नदी का बढ़ा जलस्तर, एनीकट के ऊपर से बह रहा पानी

तेज बहाव देखने उमड़ी लोगों की भीड़, प्रशासन ने जारी किया सतर्कता अलर्ट

दुर्ग। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी में पानी का बहाव बढ़ने से महमरा एनीकट के ऊपर से पानी बह रहा है। बढ़े जलस्तर और तेज बहाव का नजारा देखने बड़ी संख्या में लोग नदी के आसपास पहुंच रहे हैं।

नदी के तेज बहाव को देखने पहुंचे लोग अपने मोबाइल कैमरों में तस्वीरें और वीडियो कैद करते नजर आए। बारिश के कारण नदी में लगातार पानी की आवक बनी हुई है, जिससे जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

इधर, प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। नदी के किनारे और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने

कहा गया है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आने वाले समय में शिवनाथ नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

धमतरी। शहर में स्व.विजय लाल एवं पतासी देवी बरडिया की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक श्री जैन स्थानक भवन, सिहावा चौक के पास धमतरी में होगा। शिविर का आयोजन बरडिया परिवार, धमतरी द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए एमएमआई नारायण हॉस्पिटल रायपुर, श्री अरविंदो नेत्रालय रायपुर तथा भगवान महावीर जैन रिलीफ ट्रस्ट एवं अरविंदो नेत्रालय रायपुर का सहयोग लिया गया है। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी। इनमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुमंता शेखर पाढ़ी, लेप्रोस्कोपी एवं जीआई सर्जन डॉ गौरव जोशी, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ देवव्रत द्विवेदी, मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ कौशलेश तिवारी तथा नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ अदिति शर्मा शामिल हैं।

इसके अलावा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आनंद सक्सेना द्वारा आंखों की जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन संबंधी परामर्श और चश्मे का वितरण किया जाएगा। शिविर में बीपी, शुगर एवं ईसीजी जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आयोजकों ने स्वास्थ्य जांच के लिए आने वाले लोगों से अपना आधार कार्ड साथ लाने की अपील की है। शिविर के लिए अग्रिम पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।

ज्ञान अमृत इंग्लिश स्कूल में राखी, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

धमतरी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ज्ञान अमृत इंग्लिश हाईस्कूल धमतरी में विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति, भाई-बहन के पवित्र प्रेम एवं आपसी स्नेह की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राखी बनाओ एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता तथा राखी बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न रंगों, मोतियों, धागो एवं सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक एवं सुंदर राखियो का निर्माण किया। साथ ही विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन की भावना एवं भाई.बहन के प्रेम को दर्शाते हुए सुंदर पोस्टर भी तैयार किए। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, सहयोग की भावना तथा भारतीय पर्व.परंपराओं के प्रति सम्मान विकसित करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में छात्राओं ने अपने सहपाठी छात्रों की कलाई पर स्वयं द्वारा बनाई गई सुंदर राखियां बांधी तथा भाई.बहन के स्नेह, विश्वास और एक दूसरे की रक्षा एवं सम्मान का संकल्प लिया। छात्राओं द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियो ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी, सम्मान और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का संदेश देने वाला पर्व है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को हमारी समृद्ध भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ.साथ उनकी प्रतिभा को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

10 श्रेणियों में होंगे पुरस्कार, प्रत्येक विजेता को 11 हजार व मेमेंटो; 15 सितंबर तक आवेदन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान करेगा। पुरस्कार के लिए विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों को शामिल करते हुए कुल 10 श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक श्रेणी के विजेता को 11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार के लिए इच्छुक व्यक्ति, संस्थाएं एवं पात्र पर्यटन हितधारक 15 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन ई-मेल के माध्यम से it@visitcg.in पर भेजे जा सकते हैं। आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इन 10 श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार- पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ होटल, सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर, सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन, सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप/उद्यमिता, CTB Star Performer-सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट, CTB Star Performer-पर्यटक सूचना केंद्र, सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट और सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म शामिल हैं।

सेवा, नवाचार और पर्यटन प्रचार पर जोर- होटल एवं रिसॉर्ट श्रेणी में सेवाओं की गुणवत्ता, सुविधाएं, कारोबार, अधिभोग, ग्राहक संतुष्टि और रोजगार सृजन जैसे मानकों को महत्व दिया जाएगा। वहीं टूर ऑपरेटरों का चयन आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोरंजन एवं अन्य पर्यटन गतिविधियों के संचालन तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन के प्रचार-प्रसार में योगदान के आधार पर किया जाएगा।

सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन पुरस्कार के लिए पर्यटन स्थलों के विकास, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने, स्थानीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवनशैली को पर्यटन से जोड़ने तथा रोजगार सृजन जैसे पहलुओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

स्टार्टअप और होमस्टे को भी मिलेगा प्रोत्साहन- पर्यटन क्षेत्र में नए विचार, तकनीक, सेवाओं और व्यावसायिक मॉडल के जरिए बदलाव लाने वाले स्टार्टअप एवं उद्यमियों को भी पुरस्कार योजना में शामिल किया गया है। वहीं होमस्टे श्रेणी में बुकिंग, राजस्व, पर्यटकों की संख्या, ग्राहक समीक्षा, सुविधाओं तथा स्थानीय उत्पादों और व्यंजनों को बढ़ावा देने जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा।

डिजिटल प्रचार और इको-टूरिज्म पर विशेष ध्यान- सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेणी में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों से जुड़े रील्स, वीडियो और डिजिटल कंटेंट के माध्यम से राज्य की ब्रांडिंग करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को सम्मानित किया जाएगा। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की पहुंच और पिछले वर्षों के प्रदर्शन को मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा।

इको-टूरिज्म श्रेणी में पर्यावरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय समुदायों की भागीदारी तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। एडवेंचर टूरिज्म श्रेणी में कैंपिंग एवं अन्य साहसिक गतिविधियों के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण संचालन, पर्यटकों की संख्या, राजस्व तथा नए एडवेंचर प्रोडक्ट विकसित करने जैसे प्रयासों का मूल्यांकन होगा।

15 सितंबर अंतिम तिथि- प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन पर्यटन विभाग एवं निर्णायक समिति द्वारा निर्धारित पात्रता और मूल्यांकन मानकों के आधार पर किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का उद्देश्य पुरस्कार के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, नवाचार, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं, सतत पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देना है।

आनंद सरोवर बघेरा में आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जा रहा रक्षाबंधन पर्व

रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम, पवित्रता और सद्भावना का दिया संदेश

दुर्ग। शहर के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से रक्षा माह के अंतर्गत रक्षाबंधन पर्व आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जा रहा है। 15 अगस्त से 15 सितंबर तक चलने वाले इस विशेष आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

रक्षाबंधन के अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने भाई-बहनों को रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम, पवित्रता और सद्भावना का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को मन, वाणी और कर्म को पवित्र रखने तथा नशे सहित जीवन की विभिन्न बुराइयों से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया गया।

आनंद सरोवर बघेरा में आयोजित कार्यक्रम आध्यात्म और भक्ति के वातावरण से सराबोर रहा। ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षा सूत्र के आध्यात्मिक महत्व को बताते हुए भाई-बहनों के बीच प्रेम, आत्मिक संबंध और सकारात्मक सोच को मजबूत करने का संदेश दिया। आयोजकों ने बताया कि यहां रक्षाबंधन को केवल पारंपरिक पर्व के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक जीवन अपनाने, बुरी आदतों से दूर रहने और समाज में प्रेम एवं सद्भावना बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है।

संपादकीय

भारत की विदेश नीति इस समय कई मोर्चों पर सक्रिय

भारत की विदेश नीति इस समय रूस और चीन दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस में व्यापार, ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में सीमा विवाद पर बातचीत करेंगे। ब्रिक्स सम्मेलन और अमेरिकी दबाव के बीच भारत रिश्तों में संतुलन बनाते हुए रणनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहा है। एक ही समय में भारत की तरफ से दो महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राएं चल रही हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में। ये यात्राएं भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा हैं, जिसमें चीन के साथ तनाव कम करने का प्रयास है। साथ ही, रूस संग पुराने संबंधों को बदली परिस्थितियों में मजबूती देने की कोशिश। अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को कम करने की शुरुआत की थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है। हालांकि सुधार के संकेतों के बावजूद यह नहीं कह सकते कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर पेइचिंग का रुख इसका सबूत है। हालांकि दोनों ही देशों का हित सीमा पर शांति और स्थिरता में है। फिर यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि सितंबर में भारत को ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करनी है। इसमें शी चिनफिंग के भी आने की चर्चा है। पिछले साल अगस्त आखिर में जब पीएम मोदी एससीओ समिट के लिए चीन के तियानजिन गए थे, तो वहां शी के साथ मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में मदद की थी। तब दोनों ने दोहराया था कि भारत और चीन विकास के साझेदार हैं और आपसी मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। यह बात आज भी सच है। जयशंकर की मॉस्को यात्रा की अहमियत भी वर्तमान भू-राजनीति को देखते हुए अहम हो जाती है। सोमवार को उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। आगे उन्हें अपने समकक्ष से मिलना है। इस दौरान बातचीत के एजेंडे में व्यापार और ऊर्जा से लेकर वैश्विक मुद्दे तक हैं। नई दिल्ली-मॉस्को संबंधों को लगातार अमेरिकी दबाव का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया जिस तरह उलझा पड़ा है, आगे कूटनीतिक चुनौती और बड़ी हो सकती है। तियानजिन से आई मोदी, शी और चिनफिंग की तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, खासकर अमेरिका का। उस समय ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने टैरिफ वॉर छेड़ रखी थी। तब से आज वैश्विक परिस्थितियां ज्यादा जटिल हैं। अमेरिका अब भी टैरिफ को हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है और ऊर्जा संकट बना हुआ है। इस माहौल में भारत को ज्यादा संतुलित नीति की जरूरत है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

रूस में जयशंकर, चीन में डोभाल, जापान में गोयल ने संभाला मोर्चा, आखिर क्या है मोदी का मिशन?

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

जयशंकर का रूस दौरा: सबसे पहले मॉस्को यात्रा की बात करें तो आपको बता दें कि जयशंकर की दो दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर दबाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को में वह रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग यानि आईआरआईजीसी-टीईसी की 27वीं बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। इसलिए नई दिल्ली अब केवल रूसी तेल खरीदने वाले साझेदार की भूमिका से आगे बढ़कर बाजार पहुंच, निवेश, भुगतान व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के सवालों को केंद्र में ला रही है।

भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, नॉर्दर्न सी रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर जैसे विकल्पों का महत्व बढ़ जाता है। यह रणनीति दर्शाती है कि भू-राजनीतिक दबाव के बावजूद भारत अपने पुराने, परखे हुए रणनीतिक साझेदार के साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और संपर्क के विकल्प खुले रखना चाहता है। यह यात्रा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले भी हो रही है, जिससे इसकी राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

अजित डोभाल का चीन दौरा: उधर, मॉस्को में भारत साझेदारी को मजबूत कर रहा है, तो बीजिंग में उसकी प्राथमिकता सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने में लगी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 25वें भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि संवाद के लिए चीन के दौरे पर हैं, जहां उनकी मुलाकात चीन के विदेश मंत्री वांग यी से होनी है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2003 में शुरू किया गया यह तंत्र लगभग 3,488 किलोमीटर लंबे सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान के लिए बनाया गया था। 25 दौर की बातचीत के बावजूद अंतिम समाधान दूर है, लेकिन दोनों देश इसे तनाव नियंत्रित करने और संवाद बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। खासकर 2020 के बाद सीमा पर पैदा हुई गंभीर स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य केवल व्यापार या राजनीतिक संपर्क से तय नहीं होगा।

जयशंकर का संदेश भी इसी रणनीतिक सोच को रेखांकित करता है। यानि सीमा पर शांति और स्थिरता, अच्छे संबंधों की पूर्व शर्त है। देखा जाये तो डोभाल की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों पक्ष तनाव कम करने और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, लेकिन सीमा का प्रश्न अब भी निर्णायक है। बातचीत का उद्देश्य केवल विवाद को प्रबंधित करना नहीं, बल्कि उस राजनीतिक जगह को तैयार करना भी है जिसमें भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच आगे संवाद संभव हो सके। साथ ही डोभाल की यात्रा भी ऐसे समय हो रही है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अगले महीने भारत का दौरा लगभग तय माना जा रहा है।

पीयूष गोयल का जापान दौरा: इसके अलावा, तीसरा मोर्चा टोक्यो में खुलता है, जहां पीयूष गोयल 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान पहुंचे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल टोक्यो, नागोया और ओसाका में सरकारों और उद्योग जगत के साथ बैठकों के जरिए निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश करेगा। हम आपको बता दें कि भारत की नजर केवल अधिक जापानी निवेश पर नहीं है। लक्ष्य कहीं बड़ा है। लक्ष्य यह है कि जापानी कंपनियां भारत में केवल बेचें नहीं, बल्कि निर्माण करें, डिजाइन करें, नई तकनीक विकसित करें और भारत को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में इस्तेमाल करें। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत विनिर्माण और नई प्रौद्योगिकियां इस अभियान के प्रमुख क्षेत्र हैं।

हम आपको बता दें कि जापान ने भारत में एक दशक के दौरान 10 ट्रिलियन येन निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत अब चाहता है कि इस दशक के अंत तक देश में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो। नागोया की औद्योगिक और ऑटोमोबाइल क्षमता, टोक्यो की वित्तीय एवं तकनीकी ताकत और ओसाका के नवाचार तंत्र के साथ भारत अपने विनिर्माण भविष्य की नई साझेदारी तलाश रहा है। मॉस्को, बीजिंग और टोक्यो की इन तीन यात्राओं को एक साथ देखें तो भारत की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। रूस से ऊर्जा और रणनीतिक स्वायत्तता; चीन से सीमा तनाव को नियंत्रित करते हुए सुरक्षा संतुलन; और जापान से पूंजी, तकनीक तथा वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना। यही भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती भी है। यानि किसी एक धुरी का हिस्सा बने बिना सभी महत्वपूर्ण धुरियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार संबंध चलाना। दुनिया जब व्यापार युद्धों, टैरिफ, युद्धों, सप्लाई चेन संकट और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है, तब भारत तीन अलग-अलग राजधानियों में तीन अलग भाषाओं में, लेकिन एक ही संदेश के साथ बात कर रहा है। भारत स्पष्ट कर रहा है कि वह साझेदारी करेगा, दबाव में नहीं झुकेगा; संवाद करेगा, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा; और निवेश चाहेगा, लेकिन केवल बाजार बनने के लिए नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी शक्ति बनने के लिए। बहरहाल, मॉस्को से बीजिंग और टोक्यो तक फैली यह कूटनीतिक त्रिकोणीय चाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका लक्ष्य केवल आज के संकटों को संभालना नहीं, बल्कि 2030 के भारत की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी स्थिति तय करना है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गड़बड़ा जाएंगे सभी राजनीतिक दलों के समीकरण , 2029 से ही वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने की तैयारी तेज !

(नीरज कुमार दुबे)

मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है।

भले ही देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी-अपनी बिसात बिछाने में जुटी हों, लेकिन भारतीय राजनीति की इस शतरंज पर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक और बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' चलने की संभावना जोर पकड़ रही है। हम आपको बता दें कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार अब महज बहस या चुनावी नारा नहीं रह गया है, भारत इसके क्रियान्वयन से कुछ ही कदम दूर दिखाई दे रहा है। एक ओर भाजपा देशभर में विभिन्न सामाजिक और पेशेवर वर्गों के बीच इस विचार के समर्थन में अभियान चलाकर जनमत तैयार करने में जुटी है, वहीं इस मुद्दे पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति भी राज्यों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के चरण में पहुंच रही है। ऐसे में सियासी हलकों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या चुनावी राजनीति की मौजूदा बिसात बदलने वाली है और क्या 'एक देश, एक चुनाव' मोदी सरकार की अगली बड़ी राजनीतिक चाल साबित होगी।

हम आपको बता दें कि मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है। इन प्रावधानों का उद्देश्य अगले चुनाव चक्र में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाना है। लेकिन राजनीतिक सत्ता का गणित शायद अब 2034 तक इंतजार करने के मूड में नहीं है।

एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 11 में अगले दो वर्षों के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में एनडीए अपनी सरकारें बरकरार रखता है, तो 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ इन्हें चुनावी चक्र में लाने के लिए जनवरी 2029 तक विधानसभाएं भंग करने का विकल्प सामने आ सकता है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा में विधानसभा चुनाव पहले से ही लोकसभा चुनाव के साथ होते रहे हैं। इस प्रकार इन चार राज्यों को समन्वित चुनावी चक्र में लाना अपेक्षाकृत आसान होगा।

इसके अलावा, संवैधानिक रास्ता भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। संविधान का अनुच्छेद 174(2)(वी) राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है, हालांकि सामान्य परिस्थितियों में यह फैसला मंत्रिपरिषद की सलाह पर होता है। विधानसभा भंग होने के बाद जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत निर्धारित समय सीमा में चुनाव कराना आवश्यक होता है। यही वह संवैधानिक खिड़की है, जिसके जरिए 2029 के साथ चुनावों का समन्वय करने की राजनीतिक संभावना तलाशी जा रही है।

यहीं से 'एक देश, एक चुनाव' का प्रशासनिक तर्क सीधे राजनीतिक रणनीति में बदल जाता है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित विधानसभा का कार्यकाल तीन या चार वर्ष तक घटाकर चुनावी चक्र को एक साथ लाना महज चुनाव सुधार होगा, या फिर यह सत्ता की सुविधानुसार राजनीतिक कैलेंडर को पुनर्गठित करने की शुरुआत होगी? एनडीए के लिए यह योजना चुनावी संसाधनों, संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता को एक साथ मैदान में उतारने का अवसर बन सकती है। एक ही समय में लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने पर राष्ट्रीय मुद्दों की लहर राज्य-स्तरीय समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में 2027 और हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम तथा तेलंगाना में 2028 में चुनाव प्रस्तावित हैं। इनके बाद चुनी जाने वाली विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 के लोकसभा चुनाव तक केवल एक या दो वर्ष पुराना होगा, जबकि यदि भविष्य में उन्हें लोकसभा चुनाव के चक्र से जोड़ा जाता है तो उनकी अवधि को लेकर अलग संवैधानिक और राजनीतिक बहस खड़ी होगी। दूसरी ओर, 2028 में मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे राज्यों के चुनाव तथा 2029 के आसपास विभिन्न राज्यों के अलग-अलग चुनावी कार्यक्रम देश के मौजूदा बिखरे हुए चुनाव चक्र की जटिलता को दिखाते हैं। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने इस संभावना पर साफ कहा है कि 2029 में चुनावों को आगे बढ़ाकर एक साथ कराने का फैसला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संबंधित एनडीए मुख्यमंत्रियों पर निर्भर करेगा। हम आपको याद दिला दें कि यह समिति दिसंबर 2024 में गठित हुई थी और राज्यों में सरकारों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से संवाद कर रही है। उसकी रिपोर्ट इस वर्ष संसद के शीतकालीन सत्र में आने की उम्मीद है।

लोकहित के नाम पर संसद में हंगामा, हर घंटे 1.5 करोड़ के नुकसान का कौन है जिम्मेदार?

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है।

(योगेंद्र योगी)

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रूपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7,023 मिनट का समय बर्बाद हो। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज़ गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है–देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपये भी पानी की तरह बहते रहते हैं।

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है।

संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपये का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर ना सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पड़ता है।

इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हुआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31त्न काम हुआ और बाकी 69 प्रतिशत समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया। मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38 प्रतिशत काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपये जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपये बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया।

संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे। इन सांसदों को एक लाख रुपये मासिक वेतन, 70 हजार रुपये निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, 60 हजार रुपये कार्यालय और सहायक खर्च दिया जाता है। इसके अलावा दिल्ली आने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये का विशेष भत्ता और यात्रा सुविधाएं भी मिलती हैं।

संसद सचिवालय के हजारों कर्मचारियों पर करीब 25 से 30 प्रतिशत खर्च होता है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर्स, रिसर्च स्टाफ, स्टेनोग्राफर, मार्शल, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों का वेतन शामिल है। करीब 20 प्रतिशत खर्च संसद की हाई-टेक व्यवस्थाओं पर होता है। बिजली-पानी, संसद टीवी की लाइव ब्रॉडकास्टिंग, हाई-एंड रिकॉर्डिंग सिस्टम, डिजिटल वोटिंग पैनल, साथ में इनका खाना-पीना और रोज छपने वाले सैकड़ों विधायी दस्तावेजों की लागत इसी में आता है। 10 से 15 प्रतिशत खर्च संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर होता है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है।

लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकारी के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है। कई बार विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग, जांच की मांग, मंत्री का बयान, प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विरोध किया जाता है। अगर उसकी मांग स्वीकार नहीं होती तो विरोध तेज हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का कहना होता है कि चर्चा नियमों के अनुसार होनी चाहिए और बाधा होने से जनता का काम रुकता है। इसलिए हर मामले को राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखना चाहिए। कई बार विपक्ष आरोप लगाता है कि चर्चा की अनुमति नहीं दी गई, जरूरी मुद्दों पर समय नहीं दिया गया, जवाब नहीं दिया गया। जबकि सरकार का पक्ष होता है कि विपक्ष जानबूझकर कार्यवाही नहीं चलने देता।

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप्प कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है। इससे बेहतर तो यही है कि इस धन राशि को सीधे विकास कार्यों में खर्च किया जाता। लगता यही है कि किसी को इस तरह की बर्बादी का अफसोस नहीं है। देश के लोग इस मामले में लाचार बने हुए हैं। किसे दोषी ठहराएं और किसी सही, लेकिन इतना जरूर है कि यह नौबत देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के हित में नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

कार को मॉडिफाइड कराना पड़ा भारी, चालक पर 16 हजार का जुर्माना

दुर्ग। यातायात नियमों का उल्लंघन कर बिना नंबर, ब्लैक फिल्म और अनधिकृत मॉडिफिक्केशन वाली कार चलाना चालक को भारी पड़ गया। दुर्ग यातायात पुलिस ने सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर चेकिंग के दौरान कार को पकड़ा। जांच में चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले। पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त को शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया था। इसी दौरान टीम ने एक कार को रोककर जांच की। कार बिना नंबर के चल रही थी और उसके शीशों पर नियमों के विपरीत ब्लैक फिल्म लगी थी। इसके अलावा वाहन में कई तरह के अनधिकृत मॉडिफिक्केशन भी किए गए थे। पुलिस ने चालक से मॉडिफिक्केशन के लिए आरटीओ की अनुमति मांगी, लेकिन वह कोई अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के आवश्यक दस्तावेज भी नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने कार जब्त कर मामला न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालक को 16 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। कार्रवाई के दौरान कार के शीशों से ब्लैक फिल्म भी हटवाई गई।

छत्तीसगढ़ में सोना खोजेगी वेदांता, पहली बार हो रहा पोर्टेबल रिग का इस्तेमाल

रायपुर। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने देश में सोने की खोज की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने सोने के साथ-साथ निकल और क्रोमियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स तथा प्लेटिनम ग्रुप के एलिमेंट्स को खोजने के लिए एक हाई स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग कमीशन किया है। छत्तीसगढ़ में दो प्रोजेक्ट में इस इक्विपमेंट को तैनात किया गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यह देश का पहला हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग है और इसे मुश्किल इलाकों में एक्सप्लोरेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यह 1,000 मीटर की गहराई तक खुदाई कर सकता है। साथ ही इसकी मदद से उपकरणों को एक जगह से दूसरी जगह मूव करने में कम समय लगता है। वेदांता ने कहा कि हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग की तैनाती का मकसद मिनरल रिजर्व की खोज में तेजी लाना है। साथ ही इसे सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता भी बेहतर होगी। कंपनी का कहना है कि उसे 10 क्रिटिकल मिनरल्स ब्लॉक मिले हैं। इनमें सोना, मैंगनीज, कॉपर, निकिल-क्रोमियम, टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और पोटाश मिलने की संभावना है।

बंद कमरे में मिली पति पत्नी की लाश

रायपुर। मुंगेली जिले के लोरमी थाना क्षेत्र के ग्राम नवलपुर में बंद मकान से पति-पत्नी के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शव करीब तीन से चार दिन पुराने बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान नंद कुमार कश्यप और उनकी पत्नी गौरी कश्यप के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दंपति पिछले कुछ दिनों से नजर नहीं आ रहे थे। मकान के बाहर ताला लगा हुआ था। इसी बीच घर से तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर लोरमी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में ताला तोड़कर मकान के अंदर प्रवेश किया। अंदर दोनों के शव मिले।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा कर्मेश्वर का किया रुद्राभिषेक

सीएम ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

- प्रदेश के शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री
- रामलला दर्शन योजना से 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा कर्मेश्वर की कृपा से यह क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद जी महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा पूरे

छत्तीसगढ़ पर बनी रहे और प्रत्येक परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालयों, देवी मंदिरों और लोक आस्था के केंद्रों की गौरवशाली परंपरा रही है। राज्य सरकार इस समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा और आत्मीय संबंध है। राज्य सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और तीर्थ दर्शन की अभिलाषा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ दर्शन योजना भी प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों को चिन्हांकित किया गया है। अब तक लगभग 10 हजार श्रद्धालु इस योजना का लाभ लेकर विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कर्मेश्वर के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दशकों तक हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शांति और विकास का नया वातावरण बन रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्रा सहित बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी विकास कार्यों को निरंतर गति दी जाएगी। क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए यहां आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्राम कर्रा स्थित बाबा कर्मेश्वर धाम क्षेत्र की लोक आस्था का प्राचीन और महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां विराजमान शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है।

बहनों की खुशहाली का उपहार विष्णु भैया की सरकार-चंचल

रायपुर। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार ग्राम नवागांव दयाली की श्रीमती चंचल पात्रे के लिए यह पर्व और भी खास बन गया। महतारी वंदन योजना की 31वीं किश्त की राशि रक्षाबंधन से पहले प्राप्त होने पर उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को आत्मीयता से 'विष्णु भैया' कहते हुए आभार व्यक्त किया। चंचल पात्रे ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलना उनके लिए खुशी की बात है। इससे वे अपने भाई के लिए राखी, मिठाई और त्योहार की आवश्यक तैयारियां सहजता से कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहारा मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने से इस बार त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं। यह हमारे लिए 'विष्णु भैया' का स्नेह और बहनों के सम्मान का उपहार है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की राशि महिलाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार की जरूरतों में सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। समय पर प्राप्त होने वाली सहायता राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है।

रक्षाबंधन से पहले बहनों को मिला विष्णु भैया का उपहार

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त प्रदेश की महिलाओं के लिए खुशियों और आर्थिक संबल की सौगात लेकर पहुंची है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं में सहयोग करने का आत्मविश्वास दे रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम अवरीद निवासी श्रीमती धनेश्वरी धीवर के लिए भी महतारी वंदन योजना आर्थिक सहारे का मजबूत आधार बनी है। योजना की 31वीं किस्त के रूप में 1,000 रुपये की राशि उनके बैंक खाते में पहुंची। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि ने उनके त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया। श्रीमती धनेश्वरी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में बेहद उपयोगी साबित होती है। अब छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे योजना से प्राप्त राशि का उपयोग राशन, घरेलू सामान और अपनी जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से अपने निर्णय लेने और परिवार में सहयोगी भूमिका निभाने का आत्मविश्वास मिला है। उनके लिए योजना की 31वीं किस्त महज 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपनत्व का एहसास भी लेकर आई है। रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि पहुंचने पर धनेश्वरी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, महतारी वंदन के किस्त रक्षाबंधन के पहिली मिल गे, हमर खुशी दुगुना हो गे।

जल जीवन मिशन से बदली कटंगी की तस्वीर

- 100 किलोलीटर जलागार और पाइपलाइन नेटवर्क से 436 परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर/ संवाददाता

जल जीवन मिशन के माध्यम से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड छुईखदान के ग्राम कटंगी में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधाएं बढ़ी हैं। गांव में जलापूर्ति की बेहतर व्यवस्था होने से ग्रामीणों को अब घर के पास ही नल से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम कटंगी में 100 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण कर पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया गया है। इसके माध्यम से करीब दो हजार की आबादी वाले गांव के 436 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों को पेयजल के लिए दूर स्थित जलस्रोतों पर निर्भर रहने की जरूरत कम हुई है और घर पर ही पानी की सुविधा उपलब्ध हो रही है। ग्राम कटंगी निवासी श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि पहले परिवार की जरूरत के लिए पानी जुटाने में काफी समय और मेहनत लगती थी। घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद पानी की व्यवस्था काफी आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि अब घर के पास ही पानी उपलब्ध हो जाता है, जिससे रोजमर्रा के काम समय पर पूरे करने में सुविधा होती है। श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि नल से पानी मिलने का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं को हुआ है। पहले पानी भरने और उसे घर तक लाने में काफी समय व्यतीत होता था। अब यह समय घरेलू कार्यों, बच्चों की देखभाल और अन्य जरूरी कामों में लग रहा है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से पहले ग्रामीण परिवार हैंडपंप एवं अन्य पारंपरिक जलस्रोतों पर निर्भर रहते थे। विशेषकर महिलाओं को पेयजल की व्यवस्था के लिए काफी समय और श्रम लगाना पड़ता था। घर-घर नल कनेक्शन उपलब्ध होने से महिलाओं के श्रम और समय की बचत हो रही है। बच्चों को भी पानी लाने की जिम्मेदारी से राहत मिली है, जिससे वे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए अधिक समय दे पा रहे हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीणों में स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है।

विष्णु भैया'का साथ,बहनों के हुनर को नई उड़ान कुमारी ज्योति साहू

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। ग्राम मुसवाडीही की ज्योति साहू, जो साहेब बंदगी स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं, इन प्रयासों से प्रेरित होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ज्योति बताती हैं कि स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपने हुनर को पहचानने और आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर काम करने, नई चीजें सीखने और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। अब वे परिवार की जिम्मेदारियों के

साथ आर्थिक रूप से भी योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ज्योति कहती हैं कि विष्णु भैयाष् की सरकार में हम बहनों के हुनर और मेहनत को सम्मान मिल रहा है। स्वसहायता समूह से जुड़कर हमें आगे बढ़ने का अवसर मिला है। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और हमें लगता है कि हम भी अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार को मजबूत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि श्साहेब बंदगीश् स्वसहायता समूह उनके लिए केवल एक समूह नहीं, बल्कि सीखने, आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का माध्यम है। समूह से जुड़ी महिलाएं एक-दूसरे का सहयोग करते हुए अपने हुनर को नई पहचान देने का प्रयास कर रही हैं। ज्योति ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिलने से उनमें आगे बढ़ने का विश्वास पैदा हुआ है। बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान की भावना के साथ ज्योति साहू जैसी ग्रामीण महिलाएं अपने हुनर को ताकत बनाकर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं।

महिलाओं की तरक्की विष्णु सुशासन में पक्की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मातृशक्ति सम्मान समारोह-2026 में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में प्रदेश की 67.28 लाख बहनों के खातों में ?631 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि से प्रदेश की महिलाओं में खुशी का माहौल है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम हर्रा निवासी सीमा भी इस सौगात से बेहद खुश हैं। सीमा ने बताया कि महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि उनके खाते में पहुंचने से रक्षाबंधन का त्योहार और भी खुशी से मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है। त्योहार से पहले आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें राखी, मिठाई और फ्रूट खरीदने में सुविधा होगी। वे प्राप्त राशि का उपयोग रक्षाबंधन की तैयारियों में करेंगी और अपने परिवार के साथ खुशी से त्योहार मनाएंगी। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं के लिए परिवार पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहतीं। त्योहार के अवसर पर मिली यह राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग के साथ-साथ खुशी और आत्मविश्वास का माध्यम भी बनी है। सीमा ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुक्ताकाशी मंच पर उमड़ा दर्शकों का सैलाब

सुर, लय और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच पावस प्रसंग का भव्य समापन

- कलाकारों को मंच और सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता- श्री राजेश अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

संस्कृति विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के मुक्ताकाशी मंच में आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन 'पावस प्रसंग 2026' का अंतिम दिन सुर, लय, ताल और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों से सजा रहा। कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों और दर्शकों की अपार भीड़ के बीच आयोजन का भव्य समापन हुआ। मुक्ताकाशी मंच का पूरा वातावरण शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से सराबोर रहा तथा दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा पावस ऋतु के उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आयोजन में शास्त्रीय संगीत, गायन और विभिन्न नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और कला की समृद्ध परंपरा को सामने लाया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकारों और नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार कलाकारों के हितों के संवर्धन के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कलाकारों के प्रोत्साहन और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें मुख्यमंत्री कलाकार प्रोत्साहन योजना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'पावस प्रसंग' में अपनी कला-साधना से वर्षा ऋतु के सौंदर्य को साकार करने वाले सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी साधना और प्रतिभा के बल पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। मंत्री श्री अग्रवाल ने आयोजन की सफलता के लिए कला प्रेमी दर्शकों, मीडियाकर्मियों

और पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने आयोजन के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पावस प्रसंग के अंतिम दिन विभिन्न नृत्य शैलियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विनीता त्रिपाठी ने कथक नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके बाद श्री कृष्ण कुमार पंडित एवं सुश्री अशिका सिंघल ने कथक की मनोहारी प्रस्तुति से मुक्ताकाशी मंच पर समां बांध दिया। वहीं आर्या नर्दे ने ओडिसी नृत्य और सुश्री ज्योतिषी वैष्णव ने कथक नृत्य की भावपूर्ण एवं प्रभावशाली प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कलाकारों की पदचाप, भाव-भंगिमाओं, ताल और लय के अद्भुत समन्वय ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। प्रस्तुतियों के दौरान मुक्ताकाशी मंच पर मौजूद दर्शक कला की बारीकियों में डूबे नजर आए और प्रत्येक प्रस्तुति के बाद जोरदार तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। समापन समारोह में अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्य क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्री जी. नागेन्द्र, पूर्व मुख्य सचिव श्री एस.के. मिश्रा, पूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. इंद्रा मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग श्री प्रभात मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद श्री शशांक शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ फिल्म बोर्ड सुश्री मोना सेन, संचालक संस्कृति एवं पुरातत्व डॉ. संजय कनौजे, उपसंचालक संस्कृति श्री उमेश मिश्रा, पद्मश्री श्रीमती ऊषा बारले, श्रीमती प्रसना अवस्थी, सदस्य फिल्म बोर्ड, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान, श्रीमती आरती सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार श्री चितरंजन कर, साहित्यकार श्री राजेश गानोदवाले एवं श्री राम पटवा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। 'पावस प्रसंग 2026' के अंतिम दिन कला, संस्कृति, संगीत और नृत्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। पावस ऋतु की भावनाओं और सौंदर्य को कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। दर्शकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता और अपार भीड़ के बीच चार दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन का भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

रेत से भरे ट्रैक्टर ने मासूम को कुचला, मौके पर मौत

रायपुर। सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद जमकर हंगामा हो गया। कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम नारी में रेत से भरे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने ट्रैक्टर चालक की जमकर पिटाई कर दी। चालक बेसुध हालत में मौके पर पड़ा मिला। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण नारी बस स्टैंड के पास एकत्रित हो गए और चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने हादसे के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे ट्रैक्टर में आग भी लगा दी, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह रेत से भरा ट्रैक्टर गांव से गुजर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर ने एक मासूम को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम करते हुए ट्रैक्टर चालक की पिटाई की। बाद में ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही कुरूद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

तेज रफ्तार बाइक टीआरएन कंपनी की दीवार से टकराई

रायपुर। जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, हादसा रात करीब 8 बजे भेंगारी से टीआरएन कंपनी की ओर जाने वाले मार्ग पर हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर टीआरएन कंपनी की दीवार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दो युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल मृतकों और घायल युवक की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बाइक की तेज रफ्तार सामने आ रही है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने सड़क पर बैठे मवेशियों के गले में बांधी रेडियम पट्टी

रायपुर। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला श्री अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन तथा पशुओं की सुरक्षा के लिए कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी बोडला निरीक्षक श्री रूपक शर्मा के नेतृत्व में थाना बोडला पुलिस टीम द्वारा सड़क पर बैठे एवं विचरण करने वाले गौवंश एवं अन्य मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी बांधी गई। रेडियम पट्टी पर वाहन की हेडलाइट पड़ते ही वह चमकती है, जिससे रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद मवेशी दूर से दिखाई देंगे।

प्रदेश में मजबूत हो रहा खेल अधोसंरचना का नेटवर्क

मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान

- राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 126 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को प्रदान किए राज्य खेल अलंकरण
- 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को मिली 1.74 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि

रायपुर/ संवादाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान किए। समारोह में राज्य खेल अलंकरण प्राप्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ ही 540 अन्य खिलाड़ियों को भी नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 1 करोड़ 74 लाख 19 हजार रुपए की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ी का परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी सफलता से पूरे

प्रदेश और देश का गौरव बढ़ता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े। समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है, जिससे उनके लिए शासकीय सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को संवारना भी सरकार की प्राथमिकता है। इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों को करियर के रूप में अपनाने का विश्वास और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें पहचानने, अवसर देने और उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक के पहले आयोजन में 1 लाख 65 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 लाख 91 हजार तक पहुंच गई। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का खेल मैदान तक आना बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव और युवाओं के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर दिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए राज्य सरकार प्रतिभाओं को तलाशने के साथ उन्हें प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पांच मिशन पर काम कर रही है।

भाजपा का महीनेभर चलेगा विशेष अभियान

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा और जनसमर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में एक माह तक विभिन्न सेवा और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए 29 अगस्त को रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशस्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और प्रदेशभर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में सुबह 11 बजे शुरू होने वाली इस कार्यशाला में 17 सितंबर से शुरू होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत योजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही अलग-अलग आयोजनों के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी। कार्यशाला में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय तथा अभियान से जुड़े ओपी चौधरी मौजूद रहेंगे। भाजपा के मुताबिक, महीनेभर चलने वाले अभियान में सेवा, रचनात्मक गतिविधियों और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश स्तर की कार्यशाला के बाद इन कार्यक्रमों को जिले और स्थानीय स्तर तक पहुंचाने की तैयारी की जाएगी।

महतारी वंदन योजना से सीमा को मिला आर्थिक संबल,सपनों को मिली उड़ान....

- भाई का स्नेह, बहनों का अधिकार, विष्णु भैया के साथ आत्मनिर्भर परिवार

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली आर्थिक सहायता से माताएं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा, पोषण और बेहतर भविष्य के लिए भी आगे बढ़ रही हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम पाडारवानी निवासी श्रीमती सीमा उइके के लिए महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में मिली एक हजार रुपए की राशि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की राह में महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। वे योजना से प्राप्त राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा एवं उनकी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं।रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि पहुंचने से सीमा उइके की खुशियां दोगुनी हो गईं। उन्होंने कहा कि, विष्णु भैया ने सितंबर माह की राशि अगस्त में ही देकर हम बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया है। इससे हमारी खुशियां दोगुनी हो गई हैं। श्रीमती सीमा ने बताया कि महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता परिवार की जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार साबित हो रही है। इस राशि से बच्चों की शिक्षा, पोषण और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च करने में उन्हें सहूलियत मिलती है। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता से परिवार के खर्चों को व्यवस्थित करने में भी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का मजबूत आधार बन रही है। योजना से मिली नियमित सहायता ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक संबल की ताकत, बचत से खरीदी सिलाई मशीन

- पार्वती बघेल घर बैठे कर रहीं अतिरिक्त आमदनी, छोटी बचत से संवार रहीं बेटी का भविष्य
- रक्षाबंधन के पहले सहायता राशि देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया कृतज्ञता

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रही है। योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग महिलाएं घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ बचत और स्वरोजगार के लिए भी कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरक कहानी बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम मेटावाड़ा निवासी श्रीमती पार्वती बघेल की है, जिन्होंने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि की छोटी-छोटी बचत कर सिलाई मशीन खरीदी और अब घर बैठे ग्रामीणों के कपड़े सिलाई कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। श्रीमती पार्वती बघेल बताती हैं कि उनका आठ सदस्यीय परिवार सात एकड़ पुश्तैनी कृषि भूमि पर खेती-किसानी कर जीवन यापन करता है। पति के साथ वह भी खेती के कार्यों में हाथ बंटाती हैं। इसके साथ ही घर में ब्लाउज, पेटीकोट सहित अन्य कपड़ों की सिलाई का काम करती हैं। पहले सिलाई के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं थी, लेकिन नियमित बचत से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी। अब गांव के लोग अपने कपड़े सिलाई के लिए उनके घर लेकर आते हैं, जिससे उन्हें घर के कामकाज के साथ अतिरिक्त आमदनी का जरिया भी मिल गया है। पार्वती कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए सिर्फ घरेलू जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इसने उन्हें बचत करने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया है। वह हर महीने प्राप्त सहायता राशि में से अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने के बाद कुछ राशि बचाने का प्रयास करती हैं। उनकी इच्छा है कि यह बचत भविष्य में उनकी छोटी बेटी की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के काम आए। उन्होंने बताया कि खेती-किसानी परिवार की मुख्य आय का साधन है, लेकिन सिलाई कार्य से होने वाली अतिरिक्त आमदनी से छोटी-छोटी घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सुविधा होती है।

राखी के धागे में विश्वास अपार,बहनों के साथ विष्णुदेव भैया की सरकार...

- रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि बनी बहनों के लिए उपहार
- पुहपुटरा की पती बाई ने मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति जताया आभार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से जिले की महिलाओं में त्यौहार की खुशियां बढ़ी हैं। लखनपुर विकासखंड ग्राम पंचायत पुहपुटरा की रहने वाली श्रीमती पती बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया की सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत उनके खाते में हर माह 1,000 की राशि अंतरित की जाती है। इस राशि से वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मना रहे हैं। पती बाई ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त खाते में आने से उन्हें विशेष खुशी हुई है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदने में करेंगी। उनके लिए यह राशि रक्षाबंधन के अवसर पर मिले उपहार के समान है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना से उन्हें नियमित रूप से सहायता मिल रही है। रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक और भावनात्मक पर्व के अवसर पर समय से राशि मिलने से वे अपने भाई के प्रति स्नेह और प्रेम के इस पर्व को खुशी के साथ मना पा रही हैं। पती बाई ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विष्णु भैया का बहुत-बहुत धन्यवाद।

दो किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार किए.....

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में थाना डीडी नगर पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रवि उर्फ चिन्ना राव (30) काले रंग के चमड़े के बैग में गांजा लेकर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी से रायपुर अस्पताल की ओर पैदल जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने नियमानुसार आरोपी के बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से गांजा बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर गांजे की मात्रा 2 किलोग्राम पाई गई। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उसकी पहचान रवि उर्फ चिन्ना राव, निवासी बीएसयूपी कॉलोनी, ए ब्लॉक, सरोना, रायपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 540/2026 के तहत स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20(बी) में मामला दर्ज किया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

महिला पुलिसकर्मियों ने भी बढ़ाया भाईचारे का हाथ

जहां कभी बंदूक थी,वहां बंधा रिश्तों का धागा...अंचल में दिखा भाईचारा

- बस्तर में राखी ने बदली 'दुश्मनी' की परिभाषा
- 25 साल नक्सली संगठन में रहीं मीना ने जवानों की कलाई पर बांधी राखी

रायपुर/ संवाददाता

कलाई आगे बढ़ी तो कुछ पल के लिए जैसे समय ठहर गया। सामने सुरक्षा बल का जवान था और हाथ में राखी लिए खड़ी थी वह महिला, जिसकी जिंदगी के करीब 25 साल जंगल, नक्सली संगठन और संघर्ष के बीच बीते थे। कभी जिस वर्दी को देखकर मन में टकराव और अविश्वास पैदा होता था, उसी वर्दी की कलाई पर इस बार उसने राखी बांधी। जवान ने भी बहन का रिश्ता स्वीकार किया, शगुन दिया और मिठाई खिलाई। भानुप्रतापपुर के सुरक्षा बल कैंप में रक्षाबंधन का यह दृश्य बस्तर की बदलती तस्वीर की कहानी कह रहा था। यह सिर्फ राखी बांधने का कार्यक्रम नहीं था। यह उस दूरी को पाटने की कोशिश थी, जो वर्षों के हिंसक संघर्ष ने समाज और सुरक्षा बलों के बीच पैदा कर दी थी। करीब 25 वर्षों तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहीं मीना और अन्य पूर्व नक्सली महिलाओं के लिए यह पल सामान्य नहीं था। जंगल की जिंदगी में हथियार और संघर्ष उनका अतीत रहे हैं। लेकिन अब वही हाथ एक नए रिश्ते की शुरुआत कर रहे थे। सुरक्षा बल के कैंप में पहुंचीं पूर्व नक्सली महिलाओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधी। जवानों ने भी उन्हें बहन के रूप में स्वीकार किया। शगुन दिया, मिठाई खिलाई और इस रिश्ते को सम्मान दिया। यह तस्वीर इसलिए भी खास थी क्योंकि बस्तर में कई सालों तक सुरक्षा बल और नक्सली आमने-सामने रहे हैं। गोलियों और बारूदी सुरंगों के बीच बने इस तनाव के बीच एक राखी ने संवाद और विश्वास की एक नई जगह बनाई। इस आयोजन में महिला पुलिसकर्मियों ने भी हिस्सा लिया। कभी नक्सल हिंसा के खिलाफ अभियानों और सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा रहे सुरक्षा बल के जवान और पूर्व नक्सली महिलाएं इस दिन किसी संघर्ष के दो पक्ष नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भाई-बहन नजर आए।

रक्षाबंधन के इस छोटे से आयोजन में संदेश बड़ा थाकृअगर हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे लोगों को समाज में स्वीकार्यता मिले और सुरक्षा बलों के साथ विश्वास का रिश्ता बने, तो नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी शांति की राह और मजबूत हो सकती है। कांकेर एसपी श्री निखिल राखेचा ने इस पहल को नक्सल समस्या के समाधान की दिशा में एक अनूठा प्रयास बताया। उन्होंने कहा, यह एक अनूठा प्रयास है कि नक्सलवाद की जो समस्या थी, उसके समाधान की दिशा में हम जो कदम बढ़ा रहे हैं, उसका यह प्रतीक स्वरूप रक्षाबंधन है। इस रिश्ते के धागे से रिश्ते सामान्य होंगे। एसपी ने कहा कि ऐसे प्रयास केवल त्योहार मनाने तक सीमित नहीं हैं। इनका उद्देश्य समाज में विश्वास बहाली को मजबूत करना और मुख्यधारा से जुड़ने की प्रक्रिया को गति देना भी है। करीब ढाई दशक तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहना किसी भी व्यक्ति की जिंदगी पर गहरी छाप छोड़ता है। जंगल की जिंदगी, संगठन की सोच और संघर्ष के बीच बीते वर्षों के बाद मुख्यधारा में लौटना आसान नहीं होता। ऐसे में राखी का यह धागा मीना और उनके साथ आई महिलाओं के लिए एक नए सामाजिक रिश्ते की शुरुआत जैसा था। जिस समाज और सुरक्षा व्यवस्था से कभी दूरी रही, उसी समाज के प्रतिनिधि जवान की कलाई पर राखी बांधना यह संकेत भी है कि अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर नई जिंदगी की ओर बढ़ने की कोशिश जारी है। बस्तर की कहानी लंबे समय तक नक्सली हिंसा, मुठभेड़, शहीद जवानों और भय के इर्द-गिर्द लिखी जाती रही। गांवों में बंदूक की मौजूदगी ने सामान्य जीवन को प्रभावित किया। विकास की राह भी हिंसा के साए में आगे बढ़ती रही। लेकिन अब इसी बस्तर से कहानी के कुछ नए अध्याय सामने आ रहे हैं। हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटते लोग, गांवों में पहुंचती विकास की योजनाएं, बनती सड़कें, खुलते स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सामाजिक विश्वास बहाली के प्रयास भी बदलाव का हिस्सा बन रहे हैं। भानुप्रतापपुर का यह रक्षाबंधन उसी बदलाव की मानवीय तस्वीर है। राखी का धागा छोटा है, लेकिन इस आयोजन का संदेश बड़ा है।

जिला पंचायत सामान्य सभा में स्कूल, किसान, पेयजल, सड़क, आंगनबाड़ी और राशन व्यवस्था के मुद्दे उठाए, खनिज विभाग की लगातार गैरहाजिरी पर भी मांगा जवाब

जनहित के मुद्दों पर कीर्ति नायक का सख्त रुख, पाटन के विकास को लेकर विभागों से मांगा हिसाब

पाटन। पाटन विकासखंड के विकास और ग्रामीणों की मूलभूत जरूरतों को लेकर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य सभा में अपना सख्त और स्पष्ट रुख रखा। 25 अगस्त 2026 को आयोजित बैठक में उन्होंने पाटन क्षेत्र से जुड़े जनहित के विभिन्न मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए संबंधित विभागों से केवल जानकारी नहीं, बल्कि जवाबदेही, समयबद्ध कार्रवाई और धरातल पर परिणाम की मांग की।श्रीमती नायक ने स्पष्ट कहा कि पाटन के विकास से जुड़े विषय केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जनता को योजनाओं और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ जमीन पर दिखाई देना चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभागवार लंबित कार्यों की स्थिति, की गई कार्रवाई और आगामी

कार्ययोजना की जानकारी मांगी। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान श्रीमती कीर्ति नायक ने पाटन क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जर्जर शाला भवन, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बाउंड्रीवाल एवं फर्नीचर की उपलब्धता और वर्तमान स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा से जुड़े विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने सुविधाओं से वंचित विद्यालयों की विद्यालयवार जानकारी, लंबित कार्यों, अब तक की गई कार्रवाई तथा प्रस्तावित कार्ययोजना उपलब्ध कराने की मांग की तथा संबंधित विभागीय अधिकारी से 07 दिवस के भीतर लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। कृषि विभाग की समीक्षा में अध्यक्ष ने पाटन क्षेत्र के किसानों को ट्रैक्टर, रोटावेटर, थ्रेशर, स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई उपकरण, पंपसेट एवं अन्य कृषि यंत्रों पर दिए जा रहे अनुदान की स्थिति की जानकारी मांगी। उन्होंने किसानवार एवं यंत्रवार स्वीकृति, वितरित यंत्रों की संख्या, अनुदान राशि तथा लंबित आवेदनों का पूरा विवरण प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसान तक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पहुंचना चाहिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से पाटन क्षेत्र में स्वीकृत, प्रगतिरत, पूर्ण एवं अपूर्ण पेयजल कार्यों की ग्रामवार एवं कार्यवार जानकारी मांगी गई। अध्यक्ष ने लंबित कार्यों के कारण, वर्तमान स्थिति और उनके निराकरण के लिए प्रस्तावित समयबद्ध कार्ययोजना की जानकारी भी प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि पेयजल हर परिवार की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए इससे जुड़े कार्यों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।ग्रामीणों की आवागमन सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रीमती नायक ने ग्राम सांतरा से छाटा, ग्राम सिकोला से ठकुराइन टोला एवं ग्राम गुजरा से मटिया तक नवीन सड़क निर्माण कार्यों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृति हेतु प्रस्तावित करने की मांग रखी। उन्होंने संबंधित विभाग से इन मार्गों का सर्वेक्षण एवं आवश्यक प्राक्कलन तैयार कर शासन स्तर पर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में अध्यक्ष ने पाटन क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भवन, मरम्मत, पेयजल, शौचालय, विद्युत, फर्नीचर एवं बाउंड्रीवाल जैसी मूलभूत सुविधाओं की केंद्रवार स्थिति मांगी।

रक्षा बंधन का त्यौहार और महतारी वंदन योजना का संगम लाया खुशियों की बयार

दुर्ग। राखी का त्यौहार और महतारी वंदन योजना की सौगातों का अनूठा संगम इस बार दुर्ग की पद्मनाभपुर निवासी श्वेता कन्नौजिया के जीवन में खुशियों की नई बयार लेकर आया है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ शहरी महिलाओं को भी संबल देकर स्वावलंबन का एक नया मार्ग दिखाया है। श्वेता बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली सहायता राशि से वे अपनी छोटी-बड़ी ज़रूरतों की पूर्ति करतीं हैं, और इस बार रक्षाबंधन पर्व से पहले इस अग्रिम उपहार राशि के मिलने से त्योहार और भी खास हो गया है। त्यौहार की तैयारियों और बहनों की खुशियों का ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री, हमारे विष्णु भैया ने एक संवेदनशील भाई का फर्ज निभाया है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त, अग्रिम रूप से जारी कर रक्षाबंधन को बेहद खास बना दिया है। समय से पहले खाते में राशि पहुँचने से गदगद श्वेता कन्नौजिया बताती हैं कि इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों के लिए सुंदर कपड़े, मिठाइयाँ और त्यौहार का सामान खरीदने में करेंगी। उन्होंने कहा विष्णु भैया से मिला यह अग्रिम तोहफा और भरोसे का साथ मुझ बहन के लिए सबसे बड़ा संबल है।

दुर्ग में क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का भव्य अनावरण, मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर हुए शामिल

दुर्ग। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ की जिला इकाई दुर्ग द्वारा देशप्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनायकों के सम्मान की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग के परिसर में स्थापित की गई। महान क्रांतिकारी शिवराम राजगुरु की जयंती के अवसर पर सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में प्रतिमा का अनावरण छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने किया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग नगर निगम की महापौर मती अलका बाघमार, अरुण वोरा पूर्व विधायक दुर्ग, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष झरना वर्मा, वार्ड पार्षद

सरिता चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने रिमोट कंट्रोल के माध्यम से क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा के अनावरण के साथ ही उपस्थित लोगों ने महान क्रांतिकारी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपकर महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की जीवनगाथा एवं उनके राष्ट्र तथा समाजसेवा संबंधी कार्यों को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी। नामदेव ने कहा कि सुखदेव राज का जीवन त्याग, संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है तथा नई पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से परिचित कराना आवश्यक है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इस मांग पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया। वहीं प्रतिमा की सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में ध्यान आकर्षित किए जाने पर उन्होंने प्रतिमा स्थल पर शेड निर्माण कराने की घोषणा भी की।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के साथ शत-प्रतिशत आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड बनाने कलेक्टरने दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं पीजीएन पोर्टल पर लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर सिंह ने ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया अभी पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28 आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर स्थिति में हैं। कलेक्टर ने जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों

को नरेगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों के लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ट्रेजरी अधिकारी को विभागवार बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित देयकों के भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट से लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। बैठक में सहकारी समितियों के लिए भू-आबंटन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र भू-आबंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग द्वारा साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ के उद्देश्य से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों एवं कर्मचारियों को डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता की शपथ दिलाई गई। पुलिस विभाग ने नागरिकों से साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता से संबंधित सेल्फी अपलोड कर अभियान को व्यापक बनाने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर हरवंश मिरी, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, एसडीएम लवकेश ध्रुव, एसडीएम महेश राजपूत, एसडीएम उत्तम ध्रुव, एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर सोनाल डेविड, सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राखी का अग्रिम तोहफा पाकर ललिता बहन के चेहरे पर आई खुशी

दुर्ग। भाई-बहनों के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार इस बार प्रदेश की महिलाओं के लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। इस पावन पर्व पर राज्य सरकार की 'महतारी वंदन योजना' प्रदेश की बहनों के जीवन में समृद्धि और स्वावलंबन का नया रंग भर रही है। इसी उमंग की एक सुंदर तस्वीर पाटन के वार्ड नंबर 16 (ग्राम खुड़मुड़ा) में देखने को मिलती है, जहाँ की निवासी ललिता साहू के चेहरे पर आज एक अलग ही खुशी और संतोष की झलक है। ललिता बहन बताती हैं कि महतारी वंदन योजना केवल एक आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि यह बहनों के आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिससे वे अपने परिवार की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के इस विशेष अवसर को बहनों के लिए और भी खास बनाते हुए, प्रदेश के मुख्यमंत्री, हमारे विष्णु भैया ने एक भाई का फर्ज निभाते हुए

यह अनूठा उपहार दिया है। राखी त्यौहार की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त, जो अमूमन सितंबर माह में मिलती, उसे बहनों के खातिर 25 अगस्त को ही जारी कर रक्षा-बंधन का बेहद खूबसूरत उपहार प्रदान किया है। त्यौहार से ठीक पहले मिली इस अग्रिम राशि से गदगद ललिता जी कहती हैं कि भाई के इस स्नेह ने रक्षाबंधन के उत्सव को दोगुना रंगीन बना दिया है। सचमुच, बहनों के मान और विष्णु भैया के सम्मान से महिलाएं सशक्तिकरण से समृद्ध की ओर बढ़ रही है।

बोरसीभाठा में वन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन, 12 हेक्टेयर में रोपे गए 3,500 पौधे

- विद्यार्थियों और अधिकारियों ने पौधों को रक्षासूत्र बाँधकर लिया संरक्षण का संकल्प

दुर्ग। हरित आवरण को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बोरसीभाठा (दुर्ग) में 'वन महोत्सव 2026' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। वन विभाग दुर्ग वनमंडल द्वारा आयोजित इस महाअभियान के तहत 12 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में कुल 3,500 फलदार एवं छायादार पौधों का विधिवत रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी कार्य विभाग के माननीय मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद विजय बघेल तथा दुर्ग (ग्रामीण) विधायक एवं राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों ने स्वयं पौधरोपण कर आमजन से प्रकृति संवर्धन में सक्रिय सहभागी बनने और रोपे गए पौधों के सुरक्षा व देखभाल की भावुक अपील की। इस हरित अभियान को लेकर स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास, भारत स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर्स के विद्यार्थियों, विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों तथा स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एक अनोखी पहल करते हुए भारत स्काउट एवं गाइड दुर्ग की ओर से पौधों की सुरक्षा हेतु रक्षासूत्र उपलब्ध कराए गए। जिन्हें स्कूली बच्चों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नवरोपित पौधों पर बाँधकर उनके संरक्षण का अटूट संकल्प लिया गया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक (दुर्ग वृत्त) मती एम. मर्सिबेला, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एस.डी.एम. (दुर्ग शहर) प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु तथा प्रभारी वनमंडलाधिकारी जितेन्दर कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कौही में गूंजा हर-हर महादेव, मानव श्रृंखला बनाकर हजारों शिवभक्तों ने किया महादेव का जलाभिषेक

पाटन। दुर्ग जिला अंतर्गत पाटन ब्लॉक के ग्राम कौही स्थित आनंदमठ मंदिर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री महाकाली श्री हनुमान मंदिर परिषद के तत्वावधान में 24 अगस्त को बोल बम कांवड़ यात्रा के संयोजन में विशाल जलाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलेभर से बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए और भगवान महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान खारून नदी से शिवभक्तों ने मानव श्रृंखला बनाकर जल उठाया। एक-दूसरे के हाथों में बाल्टियां आगे बढ़ाते हुए श्रद्धालुओं ने नदी का पवित्र जल आनंदमठ मंदिर तक पहुंचाया और हजारों शिवभक्तों के हाथों से भगवान महादेव का सामूहिक जलाभिषेक किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। बताया गया कि ग्राम कौही सहित सुपेला, सिलघट,

गाड़ा डीह,सेमरा, बोरेंदा एवं आसपास के क्षेत्रों के शिवभक्त विगत कई वर्षों से इस जलाभिषेक आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल होते आ रहे हैं। प्रारंभिक दौर में महाप्रसादी से शुरू हुआ यह सावन मेला महोत्सव अब विशाल भंडारे का रूप ले चुका है। जिलेभर से आने वाले शिवभक्त जलाभिषेक में शामिल होने के साथ भोजन प्रसादी ग्रहण कर अपने निवास के लिए रवाना होते हैं। इस भव्य आयोजन में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। जनपद पंचायत सभापति रवि सिंह भी सिद्धेश्वर महादेव, ग्राम ओदरागहन से कांवड़ यात्रा के साथ आनंदमठ मंदिर कौही पहुंचे और सैकड़ों शिवभक्तों के साथ भगवान महादेव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर क्षेत्र की जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू, जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक, जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेशर साहू , सरपंच लीना साहू सहित क्षेत्र के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर अंतर्गत 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण हेतु 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित

- ग्राम अमलेश्वर, भोथली और खुड़मुड़ा में बनेगा एसटीपी, प्लांट निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगा स्वच्छ पर्यावरण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 4-1 की कंडिका 26 में निहित प्रावधानों के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण हेतु शासकीय भूमि के आबंटन की स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार, तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपए प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में जमा कराए जाने के उपरांत बिना भू-भाटक के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर को हस्तांतरित की गई है। आबंटित भूमि के विवरण के अनुसार, ग्राम अमलेश्वर (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 671/2 का 0.050 हेक्टेयर (5,380 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 5,380 रुपए, ग्राम भोथली (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 137/1 का 0.800 हेक्टेयर (86,111 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 86,111 रुपए, तथा ग्राम खुड़मुड़ा (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 530 का 0.200 हेक्टेयर (21,520 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 21,520 रुपए जमा कराए जाने पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है। उक्त भूमि का आबंटन कड़े प्रशासनिक प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन किया गया है। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल सार्वजनिक जनउपयोगी कार्य एवं निर्धारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु ही किया जाएगा, और अन्य किसी प्रयोजन में उपयोग किए जाने अथवा शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में आबंटन स्वतः निरस्त माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, आबंटित भूमि के विक्रय अथवा व्यावसायिक हस्तांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा नगर पालिका परिषद एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, दुर्ग द्वारा निर्धारित समस्त वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन अनिवार्य होगा।

महिला आईटीआई कॉलेज दुर्ग में वित्तीय साक्षरता एवं सायबर जागरूकता शिविर संपन्न

दुर्ग। महिला आईटीआई कॉलेज दुर्ग में वित्तीय साक्षरता एवं सायबर जागरूकता शिविर किया गया। जिसमें बजट, बचत, निवेश, म्यूचुअल फंड, स्टॉक मार्केट, शेयर मार्केट, एसआईपी, सावधि जमा खाता, केवाईसी, आवर्ती जमा खाता, क्रेडिट स्कोर, विविधिकरण, यूपीआई, जनसुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्दी योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, सायबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, नौकरी फ्रॉड, एपीके फाइल से बचाव, पार्सल डिलीवरी फ्रॉड म्यूल फ्रॉड आदि सभी फ्रॉड एवं उनसे बचाव के बारे में एवं साइबर क्राइम टोल फ्री नंबर 1930 के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी। बैंकिंग लोकपाल शिकायत प्रणाली सी.एम.एस. पोर्टल, भारतीय रिजर्व बैंक शिकायत प्रबंधन 14448, डिजिटल बैंकिंग, एटीएम का उपयोग, डिजिटल बैंकिंग, एजुकेशन लोन, मुद्रा लोन के बारे में जानकारी दिया गया । कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा से गजेंद्र मुदलीयार, लेखराम ध्रुव एफएलसी दुर्ग, सेबी रायपुर से रवि आर्य एवं प्रचार्य गोरख प्रसाद, शिक्षकगण उपस्थित रहें।

राखी की अग्रिम सौगात से सुशीला देवांगन के घर बढ़ा त्यौहार का उत्साह

दुर्ग। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दुर्ग के ग्राम बोरसी की निवासी सुशीला देवांगन के घर इस बार खुशियाँ और भी दोगुनी हो गई हैं। प्रदेश सरकार की 'महतारी वंदन योजना' ने इस शुभ अवसर पर सुशीला जैसी कई गृहणियों के जीवन में स्वावलंबन और आर्थिक निश्चिंतता की नई रोशनी बिखेरी है।

सुशीला मुस्कुराते हुए कहती है- ''वैसे तो हर बार यह आर्थिक सहयोग राशि हमें योजना के तहत प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से मिलती है, लेकिन इस बार का यह उपहार बहुत खास है। क्योंकि इस बार यह राशि केवल एक सरकारी योजना का लाभ नहीं, बल्कि हम बहनों को हमारे 'विष्णु भैया' की ओर से भेजा गया राखी का स्नेह है, ताकि उनकी बहनों का त्यौहार और भी रंगों और खुशियों से भर सके।''

एक सच्चे भाई का फर्ज निभाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु भैया ने राखी के त्यौहार पर प्रदेश की बहनों के लिए स्नेह की यह सौगात भेजी है। बहनों को त्यौहार की तैयारियाँ करने में कोई कमी न रहे, इसी सोच के साथ महतारी वंदन योजना की इस किस्त को समय से पहले ही बहनों के खातों में हस्तांतरित कर रक्षाबंधन का अमूल्य उपहार सौंपा गया है। सुशीला का कहना है कि भाई का यह स्नेह और अधिकार का सम्मान ही उनके परिवार को आत्मनिर्भर और खुशहाल बना रहा है।

नालियों की सफाई शुरू, खबर के बाद हरकत में आया पालिका प्रशासन, धरना प्रदर्शन के बाद भी नहीं जगा प्रशासन

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत वुड आइलैंड कॉलोनी से अटल परिसर तक मुख्य मार्ग किनारे नालियों में जाम कचरा, घास-भूस और गंदगी को लेकर लगातार जनहित में खबर प्रकाशित की जा रही थी। स्वच्छता व्यवस्था की इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद पालिका प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नालियों की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया है। नालियों में लंबे समय से कचरा जमा होने और घास-भूस उग आने के कारण बारिश के दौरान जल निकासी प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद सफाई कर्मचारियों ने मुख्य मार्ग के किनारे स्थित नालियों की सफाई शुरू कर दी है। वहीं, छाया नगर पालिका अध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने सफाई कार्य की तस्वीर साझा करते हुए पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इतने दिनों तक वार्ड पार्षदों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं गया, लेकिन खबर प्रकाशित होने के बाद सफाई कर्मचारियों द्वारा नालियों की सफाई की जा रही है। उन्होंने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पालिका प्रशासन लगातार असफल रहा है। गौरतलब है कि आय-व्यय में पारदर्शिता, अवैध कब्जे, अवैध प्लाटिंग और मूलभूत सुविधाओं सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 24 अगस्त को नगर पालिका कार्यालय के पास जोरदार प्रदर्शन किया गया था। कांग्रेस ने मांगें पूरी करने के लिए 10 सितंबर तक का समय देते हुए इसके बाद आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके बावजूद कई समस्याओं पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा था। अब 'सीजी के गोठ' पर खबर प्रकाशित होने के बाद नालियों की सफाई शुरू होने से यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जनहित की समस्याओं के समाधान के लिए मीडिया में खबर प्रकाशित होना जरूरी है? कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि 10 सितंबर तक 10 सूत्रीय मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पालिका प्रशासन केवल नालियों की सफाई तक सीमित रहता है या नगर की अन्य मूलभूत समस्याओं का भी स्थायी समाधान करता है।

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा खेल और फिटनेस का संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना

दुर्ग/अमलेश्वर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी अभियान के तहत महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग, पाटन, सांकरा के अंतर्गत संचालित उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा के प्रांगण में 'खेलो इंडिया डायलॉग–खेल की बात, पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि आर. सक्सेना के कुशल दिशा-निर्देशन एवं अधिष्ठाता (डीन) डॉ. अमित दीक्षित के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान महाविद्यालय प्रांगण में उपस्थित प्राध्यापकों, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को लाइव सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में देश की युवा शक्ति और खेल शक्ति को 'विकसित भारत' के निर्माण से जोड़ने तथा खेलों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने युवाओं को खेल एवं फिटनेस के प्रति जागरूक होकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं प्राध्यापकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में खेल भावना, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं देश के प्रति नागरिक जिम्मेदारियों की भावना को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्रोफेसर, स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक, कॉलोनीवासियों ने की सुख-समृद्धि की कामना

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर स्थित न्यू हर्षित सिटी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में समस्त कॉलोनीवासियों के सहयोग से रुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया।

इस धार्मिक आयोजन में कॉलोनी के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विधि-विधान से भगवान महादेव का जलाभिषेक कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी पूजा-अर्चना में शामिल हुए और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रमोद साहू, अभिषेक शर्मा, अजीत ठाकुर, राकेश सूर्यवंशी, देवानंद सतपति सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

दरार की खबर मिली, फिर भी नहीं जागा

भरभरा कर बांध टूटा किसानों की फसल बर्बाद,मानसून पूर्व बैठकें सिर्फ कागजों में तैयारियां

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत तेतरडीह में कृषि विभाग के बांध के टूटने से आसपास के किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बांध में दरार पड़ने की जानकारी संबंधित विभाग को समय रहते दे दी गई थी, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई। अब बांध टूटने के बाद प्रशासन नुकसान का आकलन कराने की बात कह रहा है। सवाल यह है कि जब खतरे की सूचना पहले ही मिल चुकी थी, तब प्रशासन ने खतरा टालने के लिए क्या किया? बारिश के बाद बांध में पानी भरने से दरार बढ़ती गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना विभाग तक पहुंचाई, लेकिन मौके पर जरूरी मरम्मत नहीं हुई। आखिरकार बांध टूट गया और पानी आसपास के खेतों में फैल गया। किसानों की खड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई। अब प्रशासनिक अमला नुकसान का आकलन करने पहुंच रहा है,जबकि किसानों का सवाल है कि समय रहते बांध की मरम्मत करा दी जाती तो नुकसान की नौबत ही क्यों आती?

मानसून से पहले तैयारी आखिर किस बात की?

तेतरडीह की घटना ने जिला प्रशासन की मानसून पूर्व तैयारियों पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हर साल बारिश से पहले जिला स्तर पर बैठकें होती हैं। बांध,जलाशय, नालों, सड़कों और संवेदनशील स्थानों की स्थिति की समीक्षा होती है। अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए जाते हैं। फिर सवाल उठता है कि इन बैठकों का जमीन पर असर आखिर कहां दिखाई देता है? क्या मानसून पूर्व बैठकें सिर्फकागजों में तैयारियां पूरी दिखाने, फोटो खिंचाने और नाश्ता-पानी तक सीमित रह गई हैं? यदि वास्तव में तैयारी होती है तो जिस बांध में बारिश के बाद दरार दिखाई दे रही थी, उसकी जानकारी मिलने के बाद भी मरम्मत क्यों नहीं हुई? जिला प्रशासन को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मानसून से पहले ऐसे जलस्रोतों और बांधों का निरीक्षण किस स्तर पर हुआ था और उनकी सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए थे।

नुकसान के बाद आकलन, रोकथाम क्यों नहीं?

प्रशासन का कहना है कि नुकसान का वास्तविक आंकड़ा आकलन के बाद सामने आएगा। यह प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन इससे बड़ा सवाल रोकथाम का है। किसान जब पहले ही खतरे की सूचना दे रहे थे, तब प्रशासन और संबंधित विभाग ने उस चेतावनी को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? अब यदि फसल बर्बाद होने के बाद केवल मुआवजे और आकलन तक कार्रवाई सीमित रहती है तो उस लापरवाही की जवाबदेही कौन तय करेगा? ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर सरकार किसानों के हित में बेहतर कृषि व्यवस्था और सिंचाई सुविधाओं का दावा करती है,वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर अफसरशाही और कथित लापरवाही के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। तेतरडीह की घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां नुकसान अचानक आई किसी प्राकृतिक आपदा का ही परिणाम नहीं,बल्कि ग्रामीणों के अनुसार पहले से दिखाई दे रहे खतरे पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने का नतीजा है।

तेतरडीह के किसान पुछ रहें जिला प्रशासन सवाल

अब जिला प्रशासन के सामने दोहरी जिम्मेदारी है एक तरफप्रभावित किसानों को तत्काल राहत और फसल नुकसान का उचित आकलन, दूसरी तरफ यह तय करना कि दरार की सूचना मिलने के बाद बांध की मरम्मत क्यों नहीं हुई और मानसून पूर्व तैयारियों के बावजूद यह स्थिति क्यों बनी। आखिर बैठकों में तय तैयारियां जमीन पर कब उतरेंगी,यह सवाल तेतरडीह के किसान जिला प्रशासन से पूछ रहे हैं।

खड़गे का अपमान, नहीं सहेगा दलित समाज बिलाईगढ़ में गरजा दलित समाज

भटगांव। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित सभा के बाद सभास्थल को गंगाजल छिड़ककर और मंत्रोच्चार के माध्यम से शुद्ध किए जाने की घटना ने अब छत्तीसगढ़ में भी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घृणित कृत्य के विरोध में आज बिलाईगढ़ में दलित समाज और कांग्रेसजनों का गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक चंद्रदेव राय के बिलाईगढ़ स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण और आक्रोशपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की गई और इसे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण दलित समाज का घोर अपमान बताया गया। बैठक के अंत में खड़गे का अपमान, नहीं सहेगा दलित समाज के गगनभेदी नारों के साथ सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। आपको बता दें कि कुछ दिन पूर्व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक जनसभा को संबोधित करने गए थे। सभा समाप्त होने के बाद कथित तौर पर वहां के कुछ लोगों द्वारा, जिनका संबंध भाजपा से बताया जा रहा है, सभास्थल को गंगाजल छिड़ककर शुद्ध किया गया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना के सामने आते ही पूरे देश के दलित समाज में आक्रोश फैल गया। कांग्रेस ने इसे जातिवादी मानसिकता और छुआछूत का जीता-जागता उदाहरण बताया है। क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे दलित समाज से आते हैं, इसलिए उनके जाने के बाद जगह को धोना सीधे-सीधे जातिगत भेदभाव को दर्शाता है। पूर्व विधायक चंद्रदेव राय के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों के अलावा सतनामी समाज, सारथी समाज, चौहान समाज, अनुसूचित जाति कांग्रेस सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक शुरू होते ही घटना पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित सभी लोगों ने एक-एक कर खड़े होकर अपना विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह कृत्य बर्दाश्त के बाहर है। बाद में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कहा गया हम बिलाईगढ़ क्षेत्र के सभी समाज के लोग, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हल्द्वानी में हुए जातिगत भेदभाव और अपमानजनक कृत्य की घोर निंदा करते हैं। यह कृत्य सिर्फ खड़गे जी का अपमान नहीं, बल्कि देश के 30 करोड़ दलितों और संविधान का अपमान है। हम मांग करते हैं कि दोषियों पर एसटी-एससी एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।साथ ही यह प्रस्ताव की कॉपी महामहिम राष्ट्रपति और राज्यपाल को भेजने की बात भी कही गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक चंद्रदेव राय ने कहा देश का संविधान बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा के साथ जीने का मौलिक अधिकार देता है। आज 75 साल बाद भी यदि देश के सबसे बड़े विपक्षी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जो खुद दलित समाज से हैं, उनके साथ ऐसा व्यवहार होता है, तो सोचिए आम दलित के साथ क्या होता होगा। उन्होंने आगे कहा जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव और अपमान कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह घटना भाजपा की मनुवादी मानसिकता को उजागर करती है। वे मुंह में संविधान की बात करते हैं, लेकिन मन में मनुस्मृति रखते हैं। लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए हम सभी को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा दलितों, पिछड़ों और शोषितों के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। वहीं इस विरोध सभा की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें सिर्फएक समाज नहीं, बल्कि सभी समाजों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कांवड़ियों की सेवा में निरंतर चली 'शिव की रसोई', सौरव मिश्रा ने बनवाया बर्फानी शिवलिंग

देवेंद्र यादव की 35 किलोमीटर कांवड़ यात्रा में जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने की सेवा

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव की 35 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा के दौरान शहर में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। शिवनाथ नदी से पवित्र जल लेकर देव बलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक निकली इस कांवड़ यात्रा में सैकड़ों कांवड़ यात्री शामिल हुए। यात्रा के मार्ग में विभिन्न चौक-चौराहों पर सामाजिक, धार्मिक एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत किया गया और उनके लिए जलपान एवं प्रसाद की व्यवस्था की गई। इसी क्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा द्वारा सेक्टर-1 स्थित बीएसएनएल चौक पर विशेष आयोजन किया गया। यहां बर्फानी शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। सौरव मिश्रा ने कांवड़ियों की सेवा के लिए 'शिव की रसोई' शुरू करने का संकल्प लिया था। उनके संकल्प के अनुरूप यह रसोई सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक निरंतर संचालित होती रही। कांवड़ यात्रा के देव बलौदा पहुंचने और जलाभिषेक पूर्ण होने तक शिव की रसोई के माध्यम से कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन वितरित किया गया। इस पहल को श्रद्धालुओं ने सेवा, आस्था और सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण बताया। कार्यक्रम में कांग्रेसी आर.एस. शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद प्रभाकर, ख्वाजा अहमद, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, पार्षद सुरेश वर्मा, कांग्रेस संगठित कामगार जिलाध्यक्ष सतनाम सिंह, धन्नू मिश्रा, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण, मेशांक मिश्रा, अरुणा राव, न्यूब सिंह, राव, इमरान खान, राहुल मिश्रा, आशीष यादव, लोकेश, देवेंद्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-03 के अध्यक्ष के निर्देशानुसार सेक्टर-2 में हरीश सिंह के नेतृत्व में कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पार्षद साधना सिंह एवं नोमिन साहू ने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए जलपान की व्यवस्था की। इसी तरह सेक्टर-1 एसबीआई के सामने रोशन रिजवी के नेतृत्व में कांवड़ियों के लिए ठंडे पानी एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। यात्रा के दौरान यहां पहुंचने वाले कांवड़ियों को जलपान कराया गया। सेक्टर-1 मुर्गा चौक पर आशीष यादव के नेतृत्व में महिला समूह द्वारा भी विशेष सेवा शिविर लगाया गया। महिला समूह की सदस्यों ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प एवं स्वागत किया तथा उनके लिए स्वल्पाहार एवं पेयजल की व्यवस्था की। पूरी कांवड़ यात्रा के दौरान जगह-जगह सेवा शिविरों और स्वागत कार्यक्रमों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों के साथ कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। सेवा और भक्ति से जुड़े इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि धार्मिक यात्रा केवल आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है।

जब बुजुर्गों के बीच पहुंचे कलेक्टर,राखी बांधी तो छलक उठा अपनापन

बलरामपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बलरामपुर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के बीच पर्व की खुशियां बांटीं। उन्होंने वृद्धजनों को अपने हाथों से राखी बांधी, मिठाई खिलाई और उनका आशीर्वाद लिया। कलेक्टर के इस आत्मीय व्यवहार से वृद्धाश्रम में कुछ पल के लिए ऐसा माहौल बना, मानो परिवार के अपने ही सदस्य त्योहार मनाने पहुंच गए हों। कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को साड़ियां भी भेंट कीं और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्होंने उनके स्वास्थ्य, भोजन, रहन-सहन और दैनिक जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम के सभी कमरों और परिसर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वृद्धाश्रम परिसर में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचकर कलेक्टर ने विधिवत पूजा-अर्चना की और दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर तथा आसपास की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने वृद्धजनों की देखभाल और संस्था की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सराहना की।

उन्होंने बुजुर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम के संस्था संचालक प्रभाकर द्विवेदी सहित कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे। संस्था की ओर से कलेक्टर का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया गया। रक्षाबंधन के दिन वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताने की पहल ने प्रशासन के संवेदनशील मानवीय पक्ष को सामने रखा।

4 सितंबर को भिलाई में सजेगा भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

हेरिटेज फेस्ट में दिखेगी विद्यार्थियों की प्रतिभा

भिलाई। इस्कॉन भिलाई - हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा शुक्रवार, 4 सितंबर को सेक्टर-6 स्थित अक्षय पात्र परिसर के इस्कॉन मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं हेरिटेज फेस्ट 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जन्माष्टमी महोत्सव में भिलाई, दुर्ग सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस्कॉन भिलाई - हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा पिछले 15 वर्षों से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं तथा महाप्रसाद ग्रहण करते हैं। इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर एवं भगवान के विग्रहों की विशेष पुष्प सज्जा की जाएगी। इसके लिए वृंदावन से अनुभवी फूल सज्जाकारों को बुलाया जा रहा है। पूरे दिन मंदिर परिसर में महा अभिषेक, झूलन उत्सव, फूल बंगला, पालकी उत्सव, छप्पन भोग, भजन-कीर्तन और नौका विहार सहित विभिन्न धार्मिक एवं भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव का विशेष आकर्षण हेरिटेज फेस्ट 2026 रहेगा। यह अंतर-विद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करेगा। इसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी गायन, नृत्य, ड्राइंग, पेंटिंग सहित अन्य कला एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। आयोजकों के अनुसार हेरिटेज फेस्ट का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ना है। प्रतियोगिताओं के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है। जन्माष्टमी के दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 4:30 बजे मंगल आरती से होगी। इसके बाद 5:30 बजे प्रातः अभिषेक, सुबह 7 बजे झूलन उत्सव, 8 बजे दर्शन आरती और दोपहर 12:30 बजे राजभोग आरती होगी। शाम 7 बजे संध्या आरती के बाद 7:30 बजे नौका विहार (बोट फेस्टिवल) आयोजित किया जाएगा। इसके बाद रात 8:15 से 9:30 बजे तक भजन संध्या होगी। रात 9:30 बजे पालकी उत्सव और रात 10 बजे से 11:30 बजे तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा अभिषेक होगा। रात्रि 12 बजे मध्यरात्रि महा आरती के साथ भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का उत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद रात 12:30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस्कॉन भिलाई- हरे कृष्ण मूवमेंट ने भिलाई, दुर्ग एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं, नागरिकों, विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों ने कहा कि जन्माष्टमी महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से नई पीढ़ी को जोड़ने का भी अवसर बनेगा।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995